भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

19 नवम्बर- 25 नवम्बर 2025

jagrukjanta.net

मार्गशीर्ष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - चतुर्दशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-38, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में जमीनी स्तर पर मजबूत हो रहा सहकारिता का नेटवर्क

बहुउद्देशीय बन रहीं सहकारी समितियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

7 माह में 1700 नवीन एम-पैक्स का किया जा चुका गठन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने तथा अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में सहकारिता की अहम भूमिका को देखते हुए राज्य की पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में तीव्र गति से नवीन पैक्स का गठन किया जा रहा है। बड़े स्तर पर नवीन पैक्स गठन से राज्य के अधिक से अधिक लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में आगामी 2 वर्षों में राज्य की पैक्सविहीन लगभग 2600 ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन की घोषणा की थी। घोषणा की अनुपालना में सहकारिता विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में 1300-1300 पैक्स के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था । इसकी तुलना में इस वित्तीय वर्ष में अक्टूबर माह के अंत तक ही 1700 नवीन पैक्स का गठन किया जा चुका है। यह एक वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य से लगभग 31 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार दो वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 65 प्रतिशत से अधिक 7 माह में ही हासिल किया जा चुका है। राज्य में वर्ष 2024-25 में भी 297 पैक्स के गठन का लक्ष्य था, जिसकी तुलना में 857 पैक्स का गठन कर 288.5 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। केंद्र सरकार द्वारा कुछ माह पूर्व जारी की गई नवीन 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति' एवं 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत देश में सहकारिता का दायरा अधिक विस्तृत किये जाने पर विशेष रूप से जोर दिया गया है। राजस्थान इस मामले में देश में अग्रणी भूमिका में है। वर्तमान में राज्य में 8 हजार 840 पैक्स का विशाल नेटवर्क मौजूद है, जिनमें से 8 हजार 823 पैक्स क्रियाशील हैं।

आरएएस भर्ती-2024 के साक्षात्कार 1 से 12 तक

अजमेर @ जागरूक जनता। RAS भर्ती-2024 के साक्षात्कार की डेट जारी कर दी गई है। 1 से 12 दिसंबर 2025 तक प्रथम चरण का साक्षात्कार होगा। RPSC ने इंटरव्यू शेड्यूल घोषित कर दिया है। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र की 2 प्रतियां साथ लाना अनिवार्य है। मूल दस्तावेज व उनकी फोटोकॉपी भी साथ लानी होगी। नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो व फोटो ID कार्ड जरूरी। दस्तावेजों के बिना प्रवेश नहीं मिलेगा साक्षात्कार में। साक्षात्कार पत्र आयोग की वेबसाइट पर जल्द अपलोड होंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त मोदी आज करेंगे जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 'पीएम-किसान उत्सव दिवस' के अवसर पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किश्त किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेंगे, इस अवसर पर राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शामिल होंगे। राज्य के सभी जिलों में भी कार्यर म का आयोजन किया जाएगा।

अमेरिका से 'अनमोल बिश्नोई' को लाया जा रहा है भारत

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता अनमोल बिश्नोई को अमेरिका ने देश से बाहर कर दिया है। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने एनसीपी नेता और पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर इसकी पुष्टि की है। ईमेल में बताया गया कि 18 नवंबर को अनमोल बिश्नोई को आधिकारिक रूप से अमेरिका की धरती से निष्कासित कर दिया गया है।

घूमर फेस्टिवल 2025-आज सातों संभागों में भव्य आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर स्टेडियम फुटबॉल ग्राउण्ड में बुधवार शाम आयोजित होने वाले घूमर महोत्सव की तैयारियों का किया निरीक्षण

जयपुर। उपमुख्यमंत्री पर्यटन और कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम फुटबॉल ग्राउण्ड में बुधवार शाम 4.30 बजे आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय घूमर समारोह की तैयारियों का मंगलवार को निरीक्षण किया। दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान की लोक- संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और जनभागीदारी आधारित सांस्कृतिक मॉडल को नई दिशा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा घूमर फेस्टिवल-2025 का बुधवार को प्रदेश के सातों संभागीय मुख्यालयों पर एक साथ भव्य आयोजन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार शाम को जयपुर विद्याधर नगर स्टेडियम के फुटबॉल ग्राउण्ड पर पहुंची और वहां उन्होंने राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का गहन अवलोकन किया। दिया कुमारी ने मंच व्यवस्था, प्रवेश मार्ग, सुरक्षा प्रबंधन, रिहर्सल, तकनीकी समन्वय और दर्शक सुविधा सहित सभी आवश्यक पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सरदार @ 150 यूनिटी मार्च कार्यशाला आयोजित : 26 को यमुना प्रवाह जयपुर से होगी रवाना, अजमेर, पाली, जोधपुर, सिरोही होते हुए जाएगी गुजरात

सरदार @ 150 यूनिटी मार्च पटेल व्यक्तित्व को देश तक पहुँचाने का माध्यम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सरदार @ 150 यूनिटी मार्च की प्रदेश कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद डॉ राधामोहन दास अग्रवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, योगदान और राष्ट्र-निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया। डॉ.राधा मोहनदास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में इतिहास के अनेक तथ्य दबाए गए और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को व्यवस्थित रूप से कम करके दिखाया गया। सरदार @ 150 यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के व्यक्तित्व, उनके राष्ट एकीकरण के प्रयासों और उनके वास्तविक ऐतिहासिक योगदान को देश तक पहुँचाना है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदारी, निष्ठा और स्वाभिमान के प्रतीक थे। अंग्रेजी शासनकाल में भी उन्होंने अपनी शर्तें मनवाकर अपने अदम्य साहस का परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न सिर्फ पटेल से प्रधानमंत्री पद तक छीन लिया, बल्कि उन्हें 1991 में भारत र% देने वाले तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को सजा तक दी। जबकि नेहरू और इंदिरा गांधी ने स्वयं को यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भाजपा ने 130 करोड़ देशवासियों के योगदान से दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर सच्ची श्रद्धांजलि दी है और अब उनकी 150वीं जयंती पर यह यूनिटी मार्च उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का सफल एकीकरण कर एक भारत की नींव रखी। यह यूनिटी मार्च उसी एकता, अखंडता और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। राजस्थान से

निकलने वाली गंगा प्रवाह और यमुना प्रवाह का प्रदेशभर में भव्य स्वागत किया जाएगा और प्रतिभागियों को राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य की यादगार अनुभूति कराई जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि यात्रियों का स्वागत "बारात के स्वागत" जैसा उत्साहपूर्ण हो। स्थानीय उत्पाद भेंट किए जाएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हों और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी करवाया जाए। यूनिटी मार्च में प्रत्येक सांसद, प्रत्येक विधायक और जिलों के जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक जितेंद्र गोठवाल ने यूनिटी मार्च की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि गंगा प्रवाह 22 नवंबर को नई दिल्ली से रवाना होकर उसी दिन अलवर पहुंचेगी। अलवर से कोटा, उदयपुर होते हुए यह गुजरात में प्रवेश करेगी। यहां अलवर में पौधारोपण, योग कार्यक्रम, कोटा में कोचिंग संस्थानों में संवाद, उदयपुर में योग, पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गोठवाल ने बताया कि 26 नवंबर को जयपुर में यमुना प्रवाह को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यमुना प्रवाह जयपुर, बगरू, पुष्कर,अजमेर, जैतारण, जोधपुर, पाली और सिरोही होते हुए गुजरात में प्रवेश करेगी। कार्यक्रम के अनुसार 26 नवंबर को दिन में कॉलेज संपर्क अभियान, रात्रि में पुष्कर में सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह, 27 नवंबर को अजमेर में योग, छात्र परिसर संपर्क, पौधारोपण, रात्रि में जोधपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 28 नवंबर को जोधपुर में मेहरानगढ़ किला अवलोकन, पाली के लिए प्रस्थान, रात्रि में माउंट आबू में सांस्कृतिक कार्यक्रम व भ्रमण, 29 नवंबर को आबू से गुजरात के आणंद के लिए प्रस्थान किया जाएगा।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक यात्रा को भव्य, सफल और यादगार बनाने में सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह से जुटें हुए है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने किया। इस अवसर पर युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल और राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री विनीत त्यागी भी मंचासीन रहे।

जयपुर स्थापना दिवस पर राजपूत सभा भवन में भव्य आयोजन

बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से कम नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजपूत सभा भवन में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय जयंती सम्मान समारोह एवं जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि विधायक देवी सिंह शेखावत विशिष्ट अतिथि रहे।इस अवसर पर शिक्षा, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा समाज के उत्कर्षट कार्य करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि समाज

में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और ऐसे सम्मान समारोह उन्हें आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि "बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं, इसलिए उन्हें भी समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए।" उन्होंने सभी से विरासत को सुरक्षित रखने और 36 कौम को साथ लेकर आगे बढ़ने की अपील की। साथ ही जयपुर स्थापना दिवस पर शहर को साफ़ और सुरक्षित रखने की सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में राजपूत सभा अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री धीर सिंह शेखावत, संगठन मंत्री अजयपाल सिंह, सहमंत्री पृथ्वी सिंह कालीपहाड़ी, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह मुंडरू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य को तीसरी बार मिला जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान को उत्कृष्ट जल प्रबंधन एवं सामुदायिक भागीदारी के लिए तीसरी बार 'जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। राज्य ने देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, राज्य मंत्री वी. सोमन्ना तथा जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदेश को यह सम्मान दिया गया। प्रदेश की ओर से जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने राज्य स्तरीय पुरस्कार ग्रहण किया। जल संचयन जन भागीदारी 1.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट जिलों की श्रेणी में बाड़मेर जिले को जल संरक्षण की दिशा में अतुलनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संभाला पदभार

सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता - मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के नवनियुक्त मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें मुख्य सचिव कार्यालय में कार्यभार सौंपा और शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व दोनों ने सचिवालय में मुख्य भवन के प्रवेश द्वार पर गणेश मंदिर में पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का राजस्थान आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्वागत किया तथा पूर्व मुख्य सचिव सुधांश पंत को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीनिवास ने कहा कि उनका प्रशासनिक सेवा का कार्यकाल राजस्थान से ही प्रारम्भ हुआ था।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि वर्षों बाद उन्हें एक बार फिर अपनी कर्मभूमि में लौटकर सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। श्रीनिवास ने कहा कि वे प्रदेश में

सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे और मुख्य सचिव के रूप में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान @ 2047 के विजन को साकार करने के लिए सभी अधिकारी मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने हाल के वर्षों में तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

जयपुर और उदयपुर के दो-दो तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का 1 से 7 दिसंबर तक परीक्षण और संचालन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि विभाग द्वारा तैयार किये जा रहे तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का आगामी 1 से 7 दिसबंर तक जयपुर और उदयपुर के दो-दो तुलाई कांटों पर परीक्षण संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षण संचालन के दौरान आने वाले अनुभवों को देखते हुए वेब्रीज मोड्यूल को अंतिम रुप देते हुए इस साल के अंत तक चरणवद्ध तरीके से प्रयोग में लाना आरंभ कर दिया जाएगा। पहले चरण में सीमेंट, आयरन ऑर व इसी तरह की बड़ी माइनिंग लीजों को इसके दायरें में लाया जाएगा।

प्रमुख सचिव माइंस मंगलवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, प्रोजेक्ट से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों को धरातल से उंचा बनाया जाएगा ताकि सही तुलाई हो सके। इससे व्यवस्था के पारदर्शी होने के साथ ही लीजधारकों को भी आये दिन होने वाली असुविधा व विवादों से राहत मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए विभागीय वेबसाइट पर वेण्डर्स की सुझावात्मक सूची भी उपलब्ध कराई जाएगी।

कृषि विभागीय की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक

बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन प्लानिंग के साथ तय समयावधि में पूरा करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में मंगलवार को शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल एवं आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुश्री चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने कहा कि राज्य में कृषि विकास की रफ्तार को बनाये रखने हेतु सभी अधिकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने किसानों की आय वृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण स्थानीय कृषि पद्धतियों के विस्तार पर विशेष बल दिया।

उन्होंने ने कहा कि पूरे देश में खरीफ 2025 की 8 करोड़ 71 लाख बीमा पॉलिसियां करवाई गई हैं, जिनमें से 2 करोड़ 16 लाख यानी लगभग 25 प्रतिशत

पॉलिसियां अकेले राजस्थान की हैं। इसके लिए उन्होंने सभी जिलों के विभागीय अधिकारियों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से किसानों को फसल बीमा के प्रति जागरूक किया।

राजन विशाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया। शासन सचिव ने कृषि ज्ञानधरा 2.0 पर बात करते हुए कहा कि कृषि में ज्ञान की बहुत आवश्यकता है और कृषि ज्ञानधारा कार्यक्रम द्वारा फसलों की जानकारी ले कर किसान अपने उत्पादों में वृद्धि कर सकते हैं। कृषि ज्ञानधारा 2.0 कार्यक्रम द्वारा कृषक ग्राम लेवल से जुड़कर उन्नत एवं नवीन कृषि तकनीकों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रत्येक बुधवार को जानकारी दी जाती है।

बाल दिवस पर एन.के. पब्लिक स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एन. के. पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के शुभ अवसर पर आज एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए नृत्य एवं विशेष प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें देखकर बच्चे अत्यंत उत्साहित और आनंदित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और बाल दिवस के महत्व से उन्हें अवगत कराना था।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच तथा निदेशक कुलदीप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति भावना और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं निदेशक ने पंडित जवाहरलाल नेहरू (चाचा नेहरू) के जन्मदिवस पर उन्हें याद करते हुए

शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि नेहरू जी का बच्चों के प्रति स्नेह और उनके सर्वांगीण विकास के प्रति दृष्टिकोण हम सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के अंत में प्रबंध निदेशक ने बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उन्हें शिक्षा, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय सदैव प्रयासरत रहेगा। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा, सलाहकार वी. एन. त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. नाहिद खान, समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे।

लगभग 262 किलोमीटर लम्बाई में बनेगा जलमार्ग, 50 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

अरब सागर से सीधे जुड़ेगा राजस्थान, जालोर में बनेगा इनलैंड पोर्ट

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बड़ी उपलब्धि

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के प्रयासों को सफलता

राजस्थान समुद्री कनेक्टिविटी के नए युग में करेगा प्रवेश

जलमार्ग से खुलेंगे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नए द्वार

कांडला पोर्ट से होगा जहाजों का आवागमन

राजस्थान बनेगा इंडस्ट्रियल पावर कॉरिडोर

10 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि से होगी ड्रेजिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मरु प्रदेश राजस्थान अब समुद्री रास्ते से भी औद्योगिक विकास, व्यापार और आर्थिक समृद्धि का सफर तय करेगा। इसमें जालोर जिला कच्छ की खाड़ी के जरिए अरब सागर से सीधे जुड़ेगा। इसके लिए जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर-वे) तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में यह निर्माण एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी साबित हो सकेगा। यहां से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, रोजगार और जलमार्ग कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत होगी। राजस्थान समुद्री राज्यों में शामिल होते हुए लॉजिस्टिक पावरहाउस बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इनलैंड पोर्ट निर्माण को लेकर गत माह मुम्बई में राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन आयोजना प्राधिकरण और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, केन्द्र सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत गुजरात और राजस्थान में ड्रेजिंग से अरब सागर से जालोर को जोड़ा जाएगा। इसके जरिए राजस्थान समुद्री कनेक्टिविटी के नए युग में प्रवेश करेगा। जवाई-लूनी-रन ऑफ कच्छ नदी प्रणाली को राष्ट्रीय जलमार्ग-48 घोषित होने के बाद जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर-वे) विकसित करने की दिशा में यह सबसे बड़ा कदम है।

जालोर बनेगा लॉजिस्टिक हब, स्थापित होंगे नए आयाम

रावत ने बताया कि लूनी-जवाई बेसिन और जालोर-बाड़मेर क्षेत्र में कपड़ा, पत्थर, कृषि उत्पाद, ऑयलशीड, ग्वार, दालें व बाजरा जैसी बड़ी ट्रेडिंग गतिविधियां होती हैं। साथ ही, रिफाइनरी परियोजना भी नजदीक ही है। समुद्री कनेक्टिविटी मिलने से उद्योगों का विस्तार तेजी से बढ़ेगा। कार्गो का बड़ा हिस्सा जलमार्ग से होने से सड़क और रेल पर भार कम होगा। रावत ने बताया कि माल ढुलाई क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। भारी एवं बड़े आकार के माल की आवाजाही सरल होगी, जिससे नई इंडस्ट्री स्थापित होने के रास्ते खुलेंगे। साथ ही, वेयर हाउसिंग, पोर्ट सेवाएं, कोल्ड स्टोरेज और इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होंगे।

कांडला पोर्ट से होगी कनेक्टिविटी

इस महत्वाकांक्षी परियोजना में राजस्थान प्रत्यक्ष रूप से कांडला पोर्ट (कच्छ) से जुड़ जाएगा। अभी जालोर तक जलमार्ग बनाने के लिए रास्तों पर अध्ययन किया जा रहा है। इसमें भवातरा-नवलखी मार्ग कांडला क्विक (लगभग 262 कि.मी.) मार्ग भी शामिल है। एमओयू के अनुसार, ड्रेजिंग में 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय होगी।

आईआईटी मद्रास कर रहा है सर्वे

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि जलमार्ग की डीपीआर पर भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग विकास प्राधिकरण, नेशनल टेक्नोलॉजी फॉर पोर्ट, वाटर-वे एंड कोस्ट, आईआईटी मद्रास और जल संसाधन विभाग द्वारा सर्वे किया जा रहा है। इसमें वर्षभर जल की उपलब्धता, परियोजना के लिए जमीन और अनुमानित लागत पर गहन अध्ययन हो रहा है। फील्ड स्टडी के लिए आईआईटी मद्रास से विशेषज्ञ जल्द ही राजस्थान आएंगे। वहीं, जल संसाधन विभाग राजस्थान, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और आईआईटी मद्रास के बीच नियमित संवाद के जरिए परियोजना प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

50 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज की एक प्री फिजीबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान एवं गुजरात सहित आसपास के क्षेत्रों में 50 हजार से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इनलैंड पोर्ट से अब निवेशकों की नजरें भी प्रदेश की ओर से हैं।

इंडिया मैरीटाइम वीक, 2025 में एमओयू

मुम्बई में 28 अक्टूबर को इंडिया मैरीटाइम वीक, 2025 आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन आयोजना प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राजपाल सिंह और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, वित्त (सदस्य) के के.के. नाथ के मध्य एमओयू हस्ताक्षर हुए।

समुद्री व्यापार में संकल्प से सिद्धि की ओर राजस्थान

"**मुख्यमंत्री** भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी और मजबूत औद्योगिक विकास की सोच से परियोजना सरकार की प्राथमिकता में रही है। शर्मा द्वारा केन्द्र सरकार स्तर पर उच्चस्तरीय बैठकें कर आगे बढ़ाया गया। औद्योगिक विकास की दृष्टि से यह परियोजना संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ता कदम है। जल संसाधन विभाग की प्राथमिकता सूची में परियोजना हमेशा शीर्ष पर है। नियमित निगरानी के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और केंद्र सरकार से निरंतर संवाद कर समन्वय स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार के इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि राजस्थान भी समुद्री राज्यों में शामिल हो सकेगा।"

- सुरेश सिंह रावत, जल संसाधन मंत्री

प्रदेश में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम हुआ मजबूत

आईस्टार्ट पोर्टल स्टार्टअप्स के लिए बना वन-स्टॉप गेटवे, राजस्थान के स्टार्टअप्स को मिल रही फंडिंग, उन्नयन, कौशल विकास जैसी सुविधाएं, 7100 से अधिक स्टार्टअप्स को मिला 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश, प्रदेश में आईस्टार्ट कार्यक्रम से 42 हजार से अधिक रोजगार हुए सृजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नवीन उद्यमों को बढ़ावा मिलने से राजस्थान में रोजगार का सृजन और निवेश में वृद्धि हो रही है। शर्मा के निर्देशन में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग राज्य में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईस्टार्ट कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इसके तहत आईस्टार्ट राजस्थान (एकीकृत स्टार्टअप प्लेटफॉर्म) के माध्यम से प्रदेश में स्टार्टअप्स को सुविधाएं और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा आईस्टार्ट पोर्टल प्लेटफॉर्म का संचालन और प्रबंधन किया जा रहा है, जिससे यह देश के बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बन गया है। इसके साथ 7100 से अधिक स्टार्टअप जुड़े हुए हैं, जिन्हें 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिल चुका है, जिससे प्रदेश में 42 हजार 500 से अधिक रोजगार सृजित हुए है। स्टार्टअप्स को मान्यता, उन्नयन, कौशल विकास, प्रोत्साहन, फंडिंग आईस्टार्ट प्लेटफॉर्म से मिल रही है। स्टार्टअप्स से संबंधित सभी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए www.istart.rajasthan.gov.in पोर्टल बनाया गया है। आईस्टार्ट पोर्टल सभी प्रोत्साहनों के लिए वन-स्टॉप गेटवे के रूप में कार्य कर रहा है। आईस्टार्ट कार्यक्रम के तहत सरकारी अधिकारियों, स्टार्टअप्स, मेंटर्स, छात्रों, शिक्षकों, व्याख्याताओं, स्कूलों, प्रशासकों आदि के लिए पोर्टल पर डैशबोर्ड बनाया गया है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्टअप्स को विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं।

क्यूरेट से मूल्यांकन कर स्टार्टअप की वृद्धि के लिए बूट कैंप का आयोजन

क्यूरेट प्रोग्राम देश का एकमात्र स्टार्टअप रेटिंग तंत्र है। इसमें स्टार्टअप्स का मूल्यांकन कर परीक्षण किया जाता है और उन्हें वित्तीय सहायता और इनक्यूबेशन सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसके जरिए स्टार्टअप की निवेश क्षमता पर भी विस्तृत रिपोर्ट बनाई जाती है और स्टार्टअप संस्थापकों को उनके उत्पाद, रणनीति, व्यावसायिक योजनाओं और बाजार को बेहतर बनाने, कमियों व सीमाओं पर काम करने के लिए बूट कैंप आयोजित होते हैं।

इनक्यूबेशन प्रोग्राम का आईस्टार्ट नेस्ट नेटवर्क स्टार्टअप्स को कर रहा विकसित

इनक्यूबेशन प्रोग्राम से मुफ्त स्थान, कनेक्टिविटी, कंप्यूटर हार्डवेयर, बुनियादी ढांचा, मेंटरशिप, बाजार से संपर्क, वीसी और निवेशक संपर्क, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों व विशेषज्ञों से संपर्क की सुविधा मिलती है। आईस्टार्ट नेस्ट निवेशकों और सलाहकारों का नेटवर्क है, जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने और नवाचारों को विकसित करने में मदद करता है। इस प्रोग्राम के जयपुर में इनक्यूबेशन सेंटर, टेक्नोहब और भरतपुर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, पाली और चूरू में आईस्टार्ट नेस्ट इनक्यूबेटर हैं। सभी इनक्यूबेशन सेंटरों (वर्चुअल इनक्यूबेटर और आईस्टार्ट से जुड़े इनक्यूबेटर) में स्टार्टअप्स के लिए 2000 सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। टेक्नो हब देश का सबसे बड़ा स्टार्टअप हब है, इसमें 700 से ज्यादा स्टार्टअप्स के लिए स्थान है और 1 लाख 50 हजार वर्ग फुट का इनक्यूबेशन स्पेस है। टेक्नो हब स्टार्टअप्स के लिए एक वन-स्टॉप समाधान है। इनक्यूबेशन सेंटर की सुविधा संभाग स्तर पर भी उपलब्ध है।

आई-स्टार्ट लॉन्चपैड कार्यक्रम, अटल नवाचार कार्यक्रम

राज्य सरकार स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के माध्यम से और स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से 33 जिलों में 65 आई-स्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट संचालित कर रही है। इन लॉन्चपैड नेस्ट के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों के छात्र उद्यमिता, नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकियों और प्रोटोटाइपिंग से संबंधित गतिविधियों के लिए मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार, अटल नवाचार प्रोग्राम में एवीजीसी-एक्सआर, कोडिंग, रोबोटिक्स और एग्रीटेक के अवसर शामिल होंगे। जिससे प्रदेश में रचनात्मक अर्थव्यवस्था और कौशल विकास की दिशा में कार्य होगा। इसमें जयपुर, उदयपुर, बीकानेर और भरतपुर जिले प्रमुख रूप से शामिल किए गए हैं।

राज्य सरकार स्टार्टअप्स को दे रही वित्तीय सहायता

राज्य सरकार द्वारा स्टार्टअप को आइडिया व प्रोटोटाइप चरण में 2 लाख 40 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता (महिला स्टार्टअप के लिए 3 लाख रुपये) दी जाती है। इसी प्रकार, सीड चरण में 60 लाख रुपये तक और ऋण के रूप में 2 करोड़ रुपये तक वित्तीय सहायता और इक्विटी के रूप में 5 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त ई बाजार पोर्टल सुविधा के तहत पंजीकृत स्टार्टअप्स को विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा 25 लाख रुपये तक के सीधे कार्यादेश दिए जा सकते हैं। अब तक विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा 30 करोड़ से अधिक के 168 कार्यादेश दिए जा चुके हैं।

विद्यार्थियों के लिए स्कूल स्टार्टअप प्रोग्राम का संचालन

आईस्टार्ट कार्यक्रम को विस्तृत बनाकर राजस्थान के विद्यालय के छात्रों में उद्यमिता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्कूल स्टार्टअप प्रोग्राम की सुविधा विकसित की गई है। जिसके तहत अब तक 1 लाख 16 हजार से अधिक छात्रों ने आईस्टार्ट पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है। इन विद्यार्थियों को स्व-रोजगार और व्यावसायिकता की जानकारी प्रदान की जाती है और मॉड्यूल पूरा करने पर प्रतिभागियों को एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसी प्रकार, ग्रामीण आईस्टार्ट प्रोग्राम शुरू कर राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप इकोसिस्टम की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाया जा रहा है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य राज्य के कृषि क्षेत्र और ग्रामीण विकास में बदलाव लाना है। ग्रामीण आईस्टार्ट प्रोग्राम के तहत, अब तक कुल 800 से अधिक ग्रामीण स्टार्टअप पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

सक्षम जयपुर अभियान : 18 नवंबर एवं 19 नवंबर को होगा चिन्हीकरण शिविर का आयोजन

दिव्यांगजनों को मिलेगा पावर व्हील चेयर का संबल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिला प्रशासन द्वारा वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं गतिशीलता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से "सक्षम जयपुर अभियान" संचालित किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक श्री बीपी चंदेल ने बताया कि पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, दामोदरपुरा, बस्सी द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्यांगजनों को पावर व्हील चेयर जयपुर जिला प्रशासन एवं ALIMCO के सहयोग से उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार के निर्देशों की अनुपालना में पावर चेयर वितरण के लिए बस्सी के पंचायत समिति कार्यालय में 18 नवंबर एवं 19 नवंबर को दो दिवसीय चिन्हीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु उपखण्ड अधिकारी, बस्सी को प्रभारी अधिकारी तथा विकास अधिकारी, बस्सी को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था समय पर पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। बीपी चंदेल ने बताया कि संबंधित क्षेत्र में निवासरत जरूरतमंद आशार्थियों को चिन्हीकरण शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए पाबंद किया जाए, ताकि योग्य दिव्यांगजन चिन्हित होकर पावर व्हील चेयर प्राप्त कर सकें और अभियान का अधिकतम लाभ उठा सकें।

मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में एक अनूठी पहल

प्रवासी राजस्थानी दिवस 10 दिसम्बर को, प्री समिट 27 नवम्बर को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की भजनलाल सरकार आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम देश और विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लिए जड़ों से जुड़ने और अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में एक अनूठी पहल साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

इसी के तहत पर्यटन विभाग द्वारा प्री-समिट का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के निजी होटल में 27 नवम्बर को प्रस्तावित इस प्री-समिट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शिरकत करेंगे। पर्यटन विभाग की प्री-समिट में दो सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहले सत्र में 'राजस्थान ए ईयर-राउण्ड टूरिस्ट डेस्टिनेशन' और दूसरे सत्र में 'राजस्थान राइजिंग- बिल्डिंग इंडियाज प्रीमियर एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन' विषय पर विशेषज्ञो द्वारा पयर्टन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जावेगी। इसमें टूरिज्म, होटल तथा ट्रैवल सेक्टर्स के हितधारक और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम को लेकर दिखाई दे रहा है बेहद उत्साह

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन को गति देने में प्रवासी राजस्थानियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को और सशक्त करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें निवेश, नवाचार तथा सामाजिक योगदान के नए अवसरों से जोड़ने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए पंजीकरण प्रारंभ होते ही देश-विदेश में बसे प्रवासी समुदाय में इस कार्यक्रम को लेकर बेहद उत्साह दिखाई दे रहा है और वे राजस्थान के विकास में अपनी भूमिका को लेकर सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं।

राष्ट्रीय जल संचय जन भागीदारी अवॉर्ड्स में जयपुर जिले ने हासिल किया द्वितीय पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार की जल संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप जयपुर जिला जल संचयन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, स्पष्ट प्राथमिकताओं और जल सुरक्षा को राज्य के विकास एजेंडे के केंद्र में रखने की नीति ने जिला प्रशासन को जल संरक्षण को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जयपुर जिले में जल संचयन की परंपरागत और आधुनिक दोनों पद्धतियों को एकीकृत कर व्यापक स्तर पर कार्य किया गया, जिसके फलस्वरूप जिले को राष्ट्रीय जल संचय जनभागीदारी अवॉर्ड्स में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठे राष्ट्रीय जल संचय जन भागीदारी सम्मान समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने जयपुर जिले को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया और प्रशस्ति पत्र के साथ 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। यह राशि आगे जिले में उन्नत जल संरक्षण मॉडल विकसित करने, तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने और ग्राम स्तर पर जल सुरक्षा परियोजनाओं के विस्तार में उपयोग की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. सोनी के प्रतिनिधित्व में यह पुरस्कार जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने ग्रहण किया। जयपुर जिले में जल संरक्षण कार्यों की श्रृंखला व्यापक और प्रभावी रही है। फार्म पॉण्ड, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट, मैजिक पिट, कंटूर ट्रेंच, परकोलेशन टैंक तथा ग्राम स्तर पर वर्षाजल भंडारण से संबंधित कई नवाचारी संरचनाओं का रिकॉर्ड स्तर पर निर्माण किया गया।

सचिव, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने ली वृहद समीक्षा बैठक

अजमेर शरीफ दरगाह में होने वाले 814वें उर्स की तैयारियों को शीघ्र पूरा किया जाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने शासन सचिवालय में वृहद समीक्षा बैठक ली। बैठक में अजमेर जिले में होने वाले ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स, अल्पसंख्यक मामलात विभाग, वक्फ आयोग एवं आरएमएफडीसीसी के प्रगति बिंदुओं पर चर्चा की गई। डॉ. कुमार ने अजमेर शरीफ दरगाह के प्रस्तावित इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर चर्चा करते हुए कहा कि उर्स में लाखों की संख्या में ज़ायरीन आते है, उनकी सुरक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के लिए प्रशासन को सजगता और मुस्तैदी से कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि अजमेर जिले में दिसंबर माह में प्रस्तावित अजमेर शरीफ दरगाह के 814वें उर्स की तैयारी अतिशीघ्र पूरी कर ली जाए तथा दरगाह के विकास के लिए विस्तृत डीपीआर भी बनाई जाए। सचिव, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने निर्देश दिए कि प्रशासन को उर्स में आने वाली भीड़ की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, पॉवरबैकअप, अग्निशमन उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता जैसे जरूरी कार्य जल्द से जल्द सुनिश्चित कर लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी ढिलाई नहीं बरती जाए।

जिम्मेदारी लेकर प्रतिबद्धता से कार्य करें

अल्पसंख्यक मामलात विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भगत ने निर्देश दिए कि ज़ायरीनो की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाले ड्रोन्स को अभय कमांड सेंटर से जोड़ा जाए, जिससे आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी। भगत ने सिविल डिफेंस के कार्मिकों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लगाए जाने और उनको किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इसके लिए सभी प्रशिक्षितों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जा सकता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेटल डिटेक्टर मशीनों को सुधरवाने और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभाग से समन्वय कर एयर एम्बुलेंस का प्रावधान भी रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आने वाले यात्रियों के डिजिटल रजिस्ट्रीकरण करवाने के साथ- साथ वज़ू वाले स्थल पर सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया।

आईएसबी और राजस्थान पुलिस की विशेष कार्यशाला

भ्रामक प्रचार रोकने के लिए मीडिया फैक्ट चेक और तकनीक प्रयोग करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तेज़ी से बढ़ रहे डीप फेक और फ़ेक न्यूज़ की चुनौती से निपटने के लिए इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद और राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी के नालंदा सभागार में मीडियाकर्मियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया और पुलिस को एआई टूल्स की मदद से ऑनलाइन प्रसारित भ्रामक सामग्री को पहचानने और रोकने के तरीकों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा ने कहा कि आज के दौर में पुरानी घटनाओं को नई के रूप में प्रस्तुत कर चंद सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुँचाया जाता है। उन्होंने इनफॉर्मेशन वॉर के टूल के रूप में फ़ेक न्यूज़ के कारण क़ानून और व्यवस्था बिगड़ने, मानसिक प्रताड़ना और फ़ाइनेंशियल फ्रॉड जैसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मीडिया को भी तकनीक का इस्तेमाल करने और किसी भी स्तर पर शंका होने पर पुलिस के साथ मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

राजस्थान विधानसभा की डिजिटल यात्रा में जुड़ा एक और नया अध्याय

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधानसभा की डिजिटल यात्रा में नया अध्याय जुड़ रहा है। विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किए जा रहें नवाचारों के तहत राज्य विधानसभा सचिवालय में होने वाली समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति अब आईपेड पर डिजिटल रूप से दर्ज होगी। पूर्व में यह उपस्थिति हस्ताक्षर द्वारा मैन्युल ढंग से दर्ज की जाती थी। डिजिटल उपस्थिति दर्ज करने के लिए विधानसभा सचिवालय द्वारा एक एप्लीकेशन तैयार कर ली गई है। विधानसभा के उप सचिवों और समस्त सहायक सचिवों को इस एप्लीकेशन के प्रयोग के लिए प्रशिक्षण दिया गया है।

4-6 जनवरी के बीच 30 देशों के उद्यमी 170 स्टार्टअप के साथ जुटेंगे

राजस्थान में पहली बार होगा डीजी फेस्ट-टाई ग्लोबल समिट, एआइ पॉलिसी होगी लॉन्च

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पहली बार एक ऐसे ग्लोबल आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रदेश के स्टार्टअप ईकोसिस्टम को नई दिशा दे सकता है। डीजी फेस्ट एवं टाई ग्लोबल समिट का आयोजन 4 से 6 जनवरी तक जयपुर में होगा। दुनिया के 30 देशों से उद्यमी, निवेशक, इनोवेटर्स और टेक्नोलॉजी जगत से जुड़े दिग्गज इसमें शामिल होंगे।

यह पहला मौका है जब टाई ग्लोबल समिट जैसे बड़े स्तर का आयोजन किसी टियर-2 शहर में किया जा रहा है। समिट में दुनियाभर के स्टार्टअप, करीब 10 हजार उद्योगपति, 500 से ज्यादा निवेशक और 100 से अधिक वक्ता शामिल होने का दावा किया जा रहा है। डीओआइटी के मुताबिक आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र को स्टेट पार्टनर बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे राजस्थान को ग्लोबल इनोवेशन और स्टार्टअप मैप पर मजबूत पहचान मिलेगी। भविष्य में निवेश और उद्योगों के लिए नए आयाम खुलेंगे।

यह है थीम

समिट की मुख्य थीम टेक्नोलॉजी, ग्रोथ और सस्टेनेबिलिटी रखी गई है। विभिन्न सत्रों में भविष्य की टेक्नोलॉजी, ग्रीन इनोवेशन, एआइ, फंडिंग, महिला उद्यमिता और युवाओं में स्टार्टअप कल्चर पर मंथन होगा।

प्रतियोगिताएं होंगी

देशभर के युवा इनोवेटर्स के लिए खास तौर पर 'टीजीएस :100 प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी। इसमें चुने गए 100 स्टार्टअप सीधे ग्लोबल निवेशकों के सामने अपने आइडिया प्रस्तुत कर सकेंगे।

170 आइडिया से इनोवेशन तक

समिट का सबसे बड़ा आकर्षण 170 भारतीय और अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप होंगे, जो इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट और आइडिया पेश करेंगे। डीओआइटी के अधिकारियों का आकलन है कि इस आयोजन से स्टार्टअप को 200 करोड़ रुपए से अधिक की फंडिंग मिल सकती है।

राजस्थान एआइ पॉलिसी होगी लॉन्च

समिट के दौरान राज्य सरकार अपनी नई एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पॉलिसी भी लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस पॉलिसी का उद्देश्य एआइ आधारित स्टार्टअप्स, युवाओं और उद्योगों को बढ़ावा देना है। प्रदेश में एआइ रिसर्च, ऑटोमेशन, मशीन लर्निंग आदि को मजबूत आधार मिलेगा।

7100 स्टार्टअप को मिला 1,000 करोड़ से अधिक निवेश

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की ओर से संचालित आइ स्टार्ट कार्यक्रम ने प्रदेश में नवाचार, निवेश और रोजगार सृजन को व्यापक आधार दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की देखरेख में सरकार द्वारा विकसित आइ स्टार्ट पोर्टल आज स्टार्टअप के लिए एक वन-स्टॉप गेटवे के रूप में काम कर रहा है।

सम्पादकीय

न्याय नहीं, बदला...

दुनिया को हैरान कर रहा? शेख हसीना को फांसी देने वाला ऐलान

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई हिंसा के मामले में दोषी ठहराया गया है और उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में सुनाया गया, जहां मुकदमा चलाने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस सुनवाई का मकसद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि बदला लेना था। इस फैसले से बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ने की आशंका है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हिंसा के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई है। ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के इस फैसले पर उचित सुनवाई न होने के सवाल उठ रहे हैं।

पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी फांसी की सजा मिली है। इस फैसले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आरोपियों को ठीक से अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। आरोपपत्र इसी साल जून में दाखिल हुआ था और सिर्फ पांच महीने में इतने गंभीर मामले का फैसला आ गया। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कहना है कि ट्रिब्यूनल में केवल 20 सुनवाई हुईं। यह बहुत कम समय है इतने बड़े मामले को निपटाने के लिए। बांग्लादेश इस समय एक अंतरिम सरकार के अधीन है, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। सेना का समर्थन होने के बावजूद, वे देश में स्थिरता लाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। उनके सत्ता संभालने के बाद से अल्पसंख्यकों पर 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि शेख हसीना पर फैसले से पहले ढाका में 'शूट एंड साइट' (देखते ही गोली मारने) का आदेश जारी करना पड़ा। इसके बावजूद, हिंसक घटनाएं रुकी नहीं। ऐसा लगता है कि कट्टरपंथियों के दबाव में इतिहास को नजरअंदाज किया गया और भारत विरोधी रुख अपनाते हुए पाकिस्तान से हाथ मिला लिया गया। मोहम्मद यूनुस ने देश को एक बहुत ही मुश्किल मोड़ पर ला खड़ा किया है। छात्र आंदोलन का सपना था कि देश में लोगों द्वारा चुनी हुई एक मजबूत सरकार बने, लेकिन यह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हालांकि, इस चुनाव की विश्वसनीयता तब तक संदेह के घेरे में रहेगी, जब तक अवामी लीग सहित सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर नहीं मिलता। फिलहाल, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है। शेख हसीना को फांसी की सजा का ऐलान बांग्लादेश की मौजूदा बड़ी समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश लग रही है। युवाओं में बेचैनी बढ़ रही है। छात्र समूह पहले ही अंतरिम सरकार से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। ऐसे में, बांग्लादेश को ईमानदार कोशिशों और असली सुधारों की सख्त जरूरत है। यह फैसला देश की समस्याओं को सुलझाने के बजाय उन्हें और बढ़ा सकता है। उचित सुनवाई न मिलना और इतने कम समय में फैसला आना, इस बात की ओर इशारा करता है कि यह फैसला निष्पक्ष नहीं था। देश को स्थिरता और विकास के लिए एक सही दिशा की आवश्यकता है, न कि बदले की भावना से लिए गए फैसलों की।

सब मिलकर करेंगे सपना साकार... विकसित भारत 2047

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री
@jagrukjanta.net

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राजस्थान सहकारिता के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा आगे

बुनियादी सेवाओं का सुदृढ़ीकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राजस्थान में गत दो वर्षों में कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, पेयजल, ढांचागत विकास तथा सहकारिता के सुदृढ़ीकरण सहित सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर क्षेत्रीय परिषद् के माध्यम से हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के सपने को साकार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा फरीदाबाद में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय परिषद् की 32वीं बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने के संकल्प के तहत 22 जिलों में दिन में बिजली दे रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन की स्थापित क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में 2 हजार 215 मेगावाट क्षमता के विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, आरडीएसएस के तहत 33 केवी के 151 सब स्टेशनों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है तथा 11 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि समेकित प्रयासों से एटी एण्ड सी लॉस 2023-24 के 21.81 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 15.27 प्रतिशत रह गए है।

पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम अब 13 मिनट

शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में पुलिस मोबाइल यूनिटों की संख्या बढ़ाने से औसत प्रतिक्रिया समय 21 मिनट से घटकर अब लगभग 13 मिनट पर आ गया है। इसी प्रकार पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण में लगने वाला औसत समय घटकर 58 दिन व बलात्कार प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय घटकर 48 दिन रह गया है। शर्मा ने पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु 15 अतिरिक्त नए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय स्वीकृत करने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के तहत 1 लाख से अधिक आबादी के 28 शहरों के मास्टर प्लान जीआईएस पर तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही, 50 हजार से 1 लाख की आबादी वाले 62 शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं।

भारतीय बीज सहकारी समिति की सदस्यता प्राप्त करने में...

राजस्थान का देश में प्रथम स्थान

शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में राजस्थान में सहकारिता में अभूतपूर्व काम हुआ है। राज्य ने भारतीय बीज सहकारी समिति की सदस्यता प्राप्त करने में देश में प्रथम स्थान अर्जित किया है। साथ ही, विश्व की वृह्द अन्न भंडारण योजना के प्रथम चरण में 500 मीट्रिक टन क्षमता के 70 गोदामों का निर्माण कार्य पूर्ण कर राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। 5 हजार 732 पैक्स को गो-लाइव, नवीन कॉपरेटिव कोड प्रस्तावित, 2 हजार 657 नई बहुउद्देशीय पैक्स तथा 1 हजार 958 बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियों का गठन एवं 4 हजार 141 पैक्स को पीएम किसान समृद्धि केंद्र में परिवर्तित किया गया है। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान के तहत लगभग 45 लाख सक्षम लोगों ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अपना लाभ छोड़ा है। साथ ही, लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं करवाए जाने पर 27 लाख व्यक्तियों के नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की सूची से हटाये गए हैं। इन प्रयासों से पात्र वंचितों का चयन कर लगभग 70 लाख जरूरतमंद लाभार्थियों को योजना का लाभ देना प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार ने परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से पहले दो वर्षों में 122 स्टेज-1 क्लियरेंस दिए थे, वहीं वर्ष 2025 में 137 स्टेज-1 क्लियरेंस प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सीमेंट उत्पादक इकाइयों ने गत लगभग डेढ़ वर्षों में दिल्ली से लाये गए 41 हजार मीट्रिक टन आरडीएफ का उपयोग ईंधन के रूप में किया है।

प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा के तहत 88 प्रतिशत आबादी हुई कवर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा के तहत 88 प्रतिशत आबादी का कवरेज हो चुका है जो देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के तहत 3 से 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्म दूध पिलाया जा रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देय राशि में वृद्धि, मा वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को हर माह निःशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 5 लाख 50 हजार बालिकाओं को लाभान्वित करने जैसी योजनाओं से महिलाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पूर्णकालिक सदस्यों की संख्या बढ़ने से राजस्थान को लाभ-

उन्होंने केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पूर्णकालिक सदस्यों की संख्या 2 से बढ़ाकर 4 करने से राजस्थान को लाभ मिला है। उन्होंने केन्द्र सरकार से अनुरोध किया कि पौंग बांध को 1 हजार 400 फीट तक भरने के लिए सतलुज और ब्यास के डाउनस्ट्रीम जलप्रवाह का डिजिटल एलिवेशन मॉडल तैयार करने की आवश्यक कार्यवाही की जाए। साथ ही, मकौरा पट्टन के नीचे बनने वाले बैराज से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त जल को 1981 के समझौते के तहत राजस्थान के साथ साझा किया जाए। शर्मा ने पंजाब द्वारा भाखड़ा मेन लाइन पर लघु जलविद्युत परियोजनओं से उत्पन्न होने वाली बिजली को राजस्थान के साथ साझा करने तथा हथिनीकुंड बैराज से लाए जाने वाले पानी के कार्य को रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ राष्ट्रीय परियोजनाओं का अंग मानकर वित्तीय सहायता प्रदान करने के संबंध में भी अनुरोध किया।

जब पढ़े-लिखे हाथों ने थाम लिया आतंक का रास्ता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पहले जब भी आतंकी हमलों की घटनाएँ सामने आती थीं, तो उनमें शामिल लोग आमतौर पर गरीब, अशिक्षित और गुमराह वर्ग से होते थे। लेकिन हाल के दिल्ली ब्लास्ट में शिक्षित, सम्पन्न और व्हाइट कॉलर वर्ग के लोगों का नाम सामने आना समाज और शासन दोनों के लिए गहरी चिंता का विषय है। यह सिर्फ ब्रेनवॉश का परिणाम नहीं, बल्कि कुछ नए और खतरनाक उद्देश्यों की ओर संकेत कर रहा है।

भगवान प्रसाद
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यह घटना बताती है कि अब आतंकवाद सीमाओं के पार से नहीं, बल्कि हमारे ही बीच से जन्म लेने लगा है। जब उच्च शिक्षा प्राप्त और समृद्ध वर्ग के लोग इस राह पर उतर आते हैं, तो यह देश की सोच, दिशा और नीतियों के लिए बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत में शिक्षा और चिकित्सा को सदियों से सेवा का क्षेत्र माना गया है। इनसे व्यक्ति के भीतर संवेदना, मानवीयता और राष्ट्रभक्ति का भाव जगाने की अपेक्षा की जाती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों को पूरी तरह व्यापार का रूप दे दिया गया। निजी संस्थानों में लाभ कमाने की होड़ बढ़ी और सरकार का नियंत्रण धीरे-धीरे कमजोर होता गया।

नतीजा यह हुआ कि कुछ जगहों पर गलत विचारधाराएँ, संप्रदायिक सोच और समाज को बाँटने वाली ताकतें धीरे-धीरे सक्रिय होने लगीं। शिक्षा के मंदिरों में अब केवल ज्ञान नहीं, बल्कि विचारों का भी व्यापार होने लगा है। कट्टरपंथी समूहों ने इसे एक अवसर की तरह लिया और शिक्षित युवाओं को अपने जाल में फँसाना शुरू कर दिया। यह स्थिति बताती है कि खतरा अब सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि विचारों के स्तर पर खड़ा हो गया है। जब पढ़े-लिखे दिमाग गलत दिशा में चल पड़ते हैं, तो उनका असर बहुत गहरा और दूरगामी होता है। यह न केवल समाज में भय और अस्थिरता फैलाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सोच को भी प्रभावित करता है।

अब सरकार को इस दिशा में गंभीर और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक संस्थानों को सख्त नियामक नियंत्रण में लाया जाए। इसके लिए एक अलग मंत्रालय या कैडर बनाकर ऐसे संस्थानों की नीतियों, पारदर्शिता और विचारधारा पर निगरानी रखी जाए। साथ ही शिक्षा प्रणाली में मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता और देशभक्ति को फिर से प्राथमिकता दी जाए। भारत की आत्मा "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना में बसती है। यह देश हमेशा एकता, प्रेम और करुणा का प्रतीक रहा है। अगर इस धरती पर विभाजन और कट्टरता की जड़ें फैलने लगीं, तो यह केवल सरकार या समाज की नहीं, हम सबकी हार होगी। अब समय है कि देश की नीतियाँ केवल विकास पर नहीं, बल्कि विचारों की सुरक्षा पर भी ध्यान दें। तभी भारत फिर से उस दिशा में आगे बढ़ सकेगा जहाँ ज्ञान, शांति और समरसता का सूरज कभी अस्त नहीं होता।

आखर-आखर झरे उजियार

कमाल की याददाश्त

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद अपने विद्यार्थी जीवन में बड़े मेधावी छात्र रहे थे। उनके अध्ययन, मनन और अनुशीलन के गुणों के फलस्वरूप उनकी स्मरण शक्ति भी बड़ी प्रखर हो गई थी। महात्मा गांधी के जीवन काल का एक प्रसंग है। एक बार सत्याग्रह आंदोलन सम्बन्धी एक महत्वपूर्ण विषय पर मीटिंग में विमर्श होना था। जिस प्रतिवेदन के आधार पर प्रस्ताव तैयार किया जाना था, वह कहीं खो गया था। गांधी जी ने डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद से पूछा, आपने तो रिपोर्ट पढ़ ली थी न कुछ याद होगा। राजेन्द्र बाबू ने कहा, जी मैंने रिपोर्ट पढ़ ली थी। मैं उसे लिखवा सकता हूँ। सब नेतागण अचंभित थे। दूसरी तरफ़ उस रिपोर्ट (प्रतिवेदन)की खोज जारी थी। इधर राजेन्द्र बाबू आशु लिपिक को डिक्टेट कर रहे थे। जब उन्होंने 150 पृष्ठ लिखवा दिए तब मूल प्रति मिल गई। नेता लोग मिलान करने लगे। हैरानी की बात ये थी कि मूल प्रति से शब्दशः मिल रहा था। यानी एक्सरे मशीन की तरह राजेन्द्र बाबू के दिमाग ने रिपोर्ट को अन्दर ही अन्दर ग्रहण कर लिया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू इस दृश्य को देख मुग्ध हो गए. वो बोले, राजेन्द्र बाबू! आपका दिमाग कमाल का है। खूब याददाश्त पाई है आपने। ये आपको कहां से मिला? नेताओं के ठहाकों के बीच राजेन्द्र बाबू का जबाव था, महाशय, ये अंडे का नहीं,दूध का दिमाग है !

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

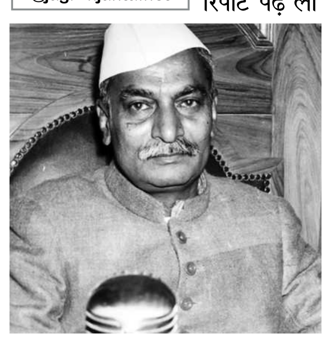

केले का छिलका बढ़ती उम्र पर लगा देगा लगाम

केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी 6 विटामिन सी पोटैशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जोकि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटैशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। केले का फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलकों को छोटे छोटे टुकड़ों में काट कर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गन्दगी हट जाये अन्यथा इसके पॉजिटिव रिज़ल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्रकृतिक तौर पर सूखने दें।

शहनाज हुसैन
सौन्दर्य विशेषज्ञ
@jagrukjanta.net

जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बना कर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकते हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकते हैं।

अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइन्स आनी शुरू हो गई हैं या दाग धब्बों से परेशान हैं तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अन्दर बाले हिस्से से चेहरे पर धीरे.धीरे मसाज करें। खासकर दाग.धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसे आधा घण्टा तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़े फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 2 5 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

त्वचा को टोन करने के लिए केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें । इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधा घण्टा तक छोड़ने के बाद ताजे ठन्डे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील मुहांसों को चेक करने में भी मदद मिलेगी। आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस पास 15 -20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आँखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा। केले का छिलका आपकी त्वचा की रंग निखारने में काफी मददगार साबित होता है । इसके लिए केले के छिलके का पेस्ट बना कर फिर उसमें बेकिंग सोडा और थोड़ा सा पानी मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर 10-15 मिनट स्क्रब की तरह रगड़े ऐसा करने से आपकी त्वचा का रंग निखरने लगेगा और आप आकर्षक दिखेंगी। त्वचा पर डेड स्किन जमा होने पर केले के छिलके का इस्तेमाल स्क्रब के रूप में भी किया जा सकता है। एक पके केले के छिलके को मैश कर लें। इसमें 2 चम्मच ओट्स मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें । इस पेस्ट को आधा घण्टा तक त्वचा पर लगा रहने के बाद चेहरे को ताजे साफ़ पानी से धो डालें। यह आपकी त्वचा के डेड स्किन सैल्स को हटाने में मददगार साबित होगा। सामान्य तौर पर केले का छिलका हर प्रकार की त्वचा के लिए सुरक्षित माना जाता है लेकिन सेंसिटिव स्किन वाले लोगों को पहले पैच टेस्ट करना चाहिए। अगर जलन या खुजली हो तो इस्तेमाल से परहेज़ करें।

(ये लेखक के अपने विचार है, प्रयोग से पहले अपने स्तर पर जांच कर लें)

ओपिनियन

विचारों से ही पैदा होते हैं दुख सारे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मार्कस ऑरेलियस रोम का सम्राट था, पर उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी तलवार नहीं, उसका मन था। युद्ध, षडयंत्र, विश्वासघात और मृत्यु की छाया के बीच जीते हुए भी वह शांत रहना जानता था। उसने कहा था- "घटना आपको चोट नहीं पहुंचाती, आपकी प्रतिक्रिया पहुंचाती है।" यही स्टोइक दर्शन का सार है - जीवन को बदलना कठिन है, पर अपने विचारों को संभालना संभव है।

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

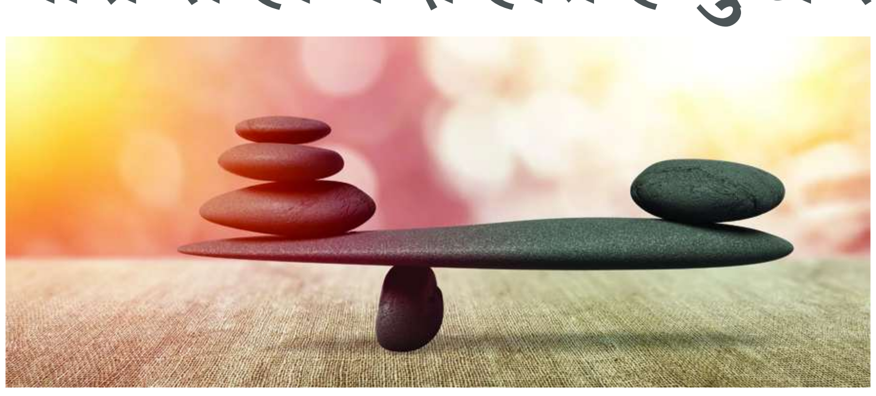

मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह उन चीजों को नियंत्रित करना चाहता है जो उसके वश में होती ही नहीं- लोग क्या कहेंगे, परिस्थितियां कैसे बदलेंगी, किसका व्यवहार कैसा होगा, दुनिया हमें कैसे देखेगी। जितना अधिक हम बाहरी दुनिया को अपने अनुसार ढालना चाहते हैं, उतनी ही अधिक पीड़ा बढ़ती है। मार्कस ने कहा था - "जिसे तुम नियंत्रित नहीं कर सकते, उसे अपना शत्रु मत बनाओ।" पर हम रोज ऐसा ही करते हैं। यदि कोई हमारे बारे में गलत बोल दे, तो हमारा मन जल उठता है। यदि कोई योजना बिगड़ जाए, तो हम बेचैन हो जाते हैं। यदि कोई प्रिय व्यक्ति उम्मीद के अनुसार बर्ताव न करे, तो हम टूट जाते हैं। हम सोचते हैं दुख बाहर से आया है, जबकि वह अंदर की असमर्थ प्रतिक्रिया से पैदा होता है। स्टोइक दृष्टिकोण कहता है कि दुनिया में केवल दो चीजें हैं- वे जो हमारे नियंत्रण में और वे जो पूरी तरह नियंत्रण के बाहर। हमारे नियंत्रण में केवल तीन तत्व हैं- हमारी दृष्टि, हमारा व्यवहार और हमारा मन। बाकी सब जीवन की नदी की तरह है- वह बहती है, बदलती है, मुड़ती है, कभी शांत, कभी उफनती। पर नदी को रोकने की कोशिश करने वाला ही डूबता है। जो बहाव के साथ चलता है, वही किनारे तक पहुंचता है। मार्कस ऑरेलियस हर रात सोने से पहले एक बात लिखते थे - "आज किसी ने मेरे साथ अच्छा भी किया और बुरा भी। अच्छा मेरे सौभाग्य से आया और बुरा मेरी परीक्षा के लिए।" यह वाक्य दर्द को हल्का नहीं करता, बल्कि मन को मजबूत बनाता है। जब आप यह मान लेते हैं कि हर स्थिति आपको कुछ सिखाने आई है, तो शिकायत की जगह समझ आ जाती है।

एक दूसरा सच यह है कि हमारा दुख घटनाओं से नहीं, हमारी कहानियों से पैदा होता है। घटना कहती है - "यह हुआ।" मन कहता है- "यह क्यों हुआ? मेरे साथ ही क्यों हुआ?" और इसी प्रश्न में पीड़ा छिपी रहती है। यदि हम केवल घटना को देखें, तो मन शांत रहता है। पर यदि मन कहानी बनाना शुरू करे, तो जीवन बोझ जैसा लगता है। मार्कस का एक और बड़ा वाक्य है-"जिसे तुम बदल नहीं सकते, उसे स्वीकार कर लो।" कितना ताकतवर वाक्य है यह। अकेले अगर इसी वाक्य को जीवन पर लागू किया, तो दुख से मुक्त हो जाओगे। याद रखिए कि स्वीकार करना हारना नहीं है बल्कि यह अपने मन को बचाना है। जब हम स्वीकार करते हैं, तो भीतर एक अद्भुत हल्कापन आता है। उस हल्केपन में हम समझ पाते हैं कि जीवन हर समय हमारे अनुसार नहीं चलेगा, पर हमारा मन हर समय हमारी पकड़ में रह सकता है। और समय को भी हम मजबूत मन के साथ देर-सबेर अपने अनुकूल बना सकते हैं।

इस संसार में कोई भी मनुष्य बाहरी तूफानों को रोक नहीं सकता, पर हर मनुष्य यह तय कर सकता है कि वह भीतर कैसा मौसम बनाना चाहता है। यदि मन की खिड़कियां बंद हों, तो बाहर की आंधी भीतर नहीं घुस सकती।

(ये विचार लेखक के अपने हैं)

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 19/11/2025

सूर्योदय : 06:53 **सूर्यास्त :** 17:30 **चन्द्रोदय :** 05:53 **चन्द्रास्त :** 16:44 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्त महीना :** कार्तिक **पूर्णिमांत :** मार्गशीर्ष **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** चतुर्दशी, 09:43 तक **वार :** बुधवार **दिक्-वैदिक ऋतु :** हेमन्त **दिक्-वैदिक अयन :** दक्षिणायन **कलियुग :** 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : स्वाति, 07:53 तक
योग : सौभाग्य, 08:58 तक
प्रथम करण : शकुना, 09:43 तक
द्वितिय करण : चतुष्पदा, 23:00 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:00 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:27 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:26 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:26 पी एम से
अमृत काल	1:5 ए एम, नवम्बर 20 से
निशिता मुहूर्त	11:40 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्र: कंठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:52 - 08:12	उद्वेग : 17:29 - 19:10
अमृत	: 08:12 - 09:31	शुभ : 19:10 - 20:50
काल काल वेला	: 09:31 - 10:51	अमृत : 20:50 - 22:31
शुभ	: 10:51 - 12:11	चर : 22:31 - 00:11
रोग वार वेला	: 12:11 - 13:30	रोग : 00:11 - 01:52
उद्वेग	: 13:30 - 14:50	काल : 01:52 - 03:32
चर	: 14:50 - 16:10	लाभ : 03:32 - 05:13
लाभ	: 16:10 - 17:29	उद्वेग : 05:13 - 06:53

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज चतुर्दशी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्दशी रिक्ता तिथि हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किया गए धन में बरकत रहती है। मंजणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें :- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, कृष्ण, चतुर्दशी, 2082 बुधवार, 19 नवम्बर - 25 नवम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें। धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ायेंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे। आपको पहले किये गये कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

अपने मन की करें। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। युवाओं को नये करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]

अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें। पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना माँगे किसी को राय देने से बचें।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

रिश्तेदारों की चिन्ता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिन्तित रहेंगे। फाइनेन्स सम्बन्धी कार्यों को लेकर परेशानी होगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जायेंगे। समाज में आपके अधिकार और सम्पत्ति में वृद्धि होगी। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। कमीशन सम्बन्धी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

किसी नये कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाये रखें। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]

किसी परिजन को लेकर चिन्ता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिन्ता हो सकती है। आपको यात्रा नहीं करनी चाहिये। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे। अटके हुये कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

परिवार के साथ सुखद समय बितायेंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

देशभर से 300 साधु-संत आए जयपुर, कम्प्यूटर बाबा बोले- मांगें नहीं मानी तो मार्च में दिल्ली कूच

गौमाता को करें राष्ट्रमाता घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौ संरक्षण, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग को लेकर गौमाता उच्चाधिकार समिति की राष्ट्रीय बैठक जेएलएन मार्ग स्थित होटल में हुई। बैठक में देशभर से आए लगभग 300 साधु-संत, शंकराचार्य और महामंडलेश्वर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व महामंडलेश्वर कम्प्यूटर बाबा ने किया।

होटल परिसर में सुबह से ही शंख, घंटा-घडियाल, संकीर्तन और जयकारों के बीच देशभर के संत-विभूति एकत्रित हुए। सामान्यतः इस प्रकार की धर्मसभा मठ-मंदिर या गौशालाओं में होती है, परंतु आयोजकों ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है, इसलिए गंभीरता दर्शाने के लिए संत समाज ने शिष्यों के सहयोग से इस बैठक का आयोजन होटल में किया है।

राष्ट्रीय बैठक के आयोजक कम्प्यूटर बाबा ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। उन्हें राष्ट्रमाता घोषित करना समय की मांग है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साधु-संतों की बात अवश्य मानेंगे। वे गाय राष्ट्रमाता घोषित करने सहित सभी मांगें मानेंगे। इस कूच का नेतृत्व जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती करेंगे। उन्होंने कहा कि आज देशभर में गौमाता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। गाय सडकों पर भटक रही हैं। भूख-प्यास से मर रही हैं, दुर्घटनाओं का शिकार हो रही हैं। यह केवल सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक असफलता है। कार्यक्रम के संयोजक देवकीनंदन पुरोहित ने कहा कि भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संपूर्ण तंत्र गौ पर आधारित है और गौमाता को राष्ट्माता का दर्जा दिए बिना भारत अपनी आत्मा की रक्षा नहीं कर सकता। अन्य संतों ने भी एक स्वर में कहा कि यदि सरकार ने इन मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो मार्च में देशभर के नागा सहित अन्य साधु-संत मार्च माह में दिल्ली कूच कर अनिश्चितकालीन अहिंसक आंदोलन शुरू करेंगे। यह संघर्ष शांतिपूर्ण होगा, परंतु निर्णायक होगा।

इस दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य त्रिकालभांता, महामंडलेश्वर अजय दास, महामंडलेश्वर प्रकाशानंद, जगद्गुरु आनंदेश्वर महाराज, महामंडलेश्वर भवानी मां, महामंडलेश्वर तनीषा सनातनी, महामंडलेश्वर प्रेमपुरी, महामंडलेश्वर भोलागिरी, महामंडलेश्वर मधुरदास, महामंडलेश्वर कपिल मुनि, महामण्डलेश्वर रामसेवक दास, महामंडलेश्वर कालिकानंद, महामंडलेश्वर अन्नगिरि, महामंडलेश्वर राघवेन्दानन्द, महामंडलेश्वर चंदन दास, महामंडलेश्वर खड़ेश्वरी, महामंडलेश्वर शैलेशनंद, महामंडलेश्वर प्रवीण दास, महामंडलेश्वर लालमणि दास, महामण्डलेश्वर बाली बाबा, महामण्डलेश्वर स्वामी अजय योगी, महामंडलेश्वर स्वामी हरिओम, महामंडलेश्वर मोलागिरी, महामण्डलेश्वर सूरज गिरी सहित अनेक संतों की उपस्थिति रही।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के लिए मतदाताओं से सहयोग की अपील

विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में 4 नवंबर से चल रहा है घर-घर सत्यापन अभियान

बीएलओ टीम कर रही है परिगणना प्रपत्र वितरण, सूचनाओं का संकलन और मतदाता सूची का सत्यापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग, राजस्थान के निर्देशों के अनुपालन में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR) का कार्य 4 नवंबर 2025 से विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर (050) में सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को निर्धारित समयावधि में प्रभावी रूप से पूर्ण करवाने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में गठित टीमें घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रही हैं। इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

निर्वाचन विभाग द्वारा बीएलओ, सुपरवाइज़र, वॉलिंटियर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा निकाय कार्मिकों की संयुक्त टीम गठित की गई है, जो घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्रों का वितरण, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं संग्रहण, तथा मतदाता सूची में दर्ज सभी नामों का सत्यापन एवं बीएलओ एप पर मैपिंग का कार्य कर रही है। यह कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक बीएलओ अपने भाग संख्या के अंतर्गत आने वाले सभी मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक मतदाता के दो परिगणना प्रपत्र भरे जाएंगे, जिनमें से एक प्रति बीएलओ के पास सुरक्षित रखी जाएगी तथा दूसरी प्रति मतदाता के पास संरक्षित की जानी है। परिगणना प्रपत्रों में सही एवं संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना मतदाताओं की जिम्मेदारी है, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके।

शिक्षाविद् आयुष शर्मा का अभिभावकों को संदेश

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर की छात्रा कृति ने CA इंटरमीडिएट परीक्षा में ऑल इंडिया सेकंड रैंक प्राप्त कर शहर का गौरव बढ़ाया है। कृति वरिष्ठजन नागेंद्र वशिष्ठ के परिवार की प्रतिभाशाली दोहिती हैं। शिक्षा विद् आयुष शर्मा ने बताया कि उनकी इस उपलब्धि के पीछे जहाँ कृति की कठिन मेहनत है, वहीं उनके माता-पिता का अनुशासन और त्याग भी अत्यंत प्रेरणादायक है। कृति के परिवार ने उनकी तैयारी अवधि में न लंबी यात्राएँ कीं, न किसी समारोह में शामिल हुए—पूरे समय घर का वातावरण अध्ययन, एकाग्रता और सकारात्मकता से भरा रहा।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट का सरकार को नोटिस, चार सप्ताह में दें जवाब

जयपुर @ जागरूक जनता। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए बनाए गए राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून पर राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने जयपुर कैथोलिक वेलफेयर सोसायटी की याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में कहा गया कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। विधायिका ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर यह कानून बनाया है। राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून, 2025 प्रदेश में 29 अक्टूबर से लागू हो चुका है। कानून में सामूहिक धर्मांतरण कराने वाली संस्थाओं पर एक करोड़ रुपए तक जुर्माना और भवनों को सीज कर तोड़ने का प्रावधान है। कानून बिना न्यायिक हस्तक्षेप के दंडात्मक कार्रवाई की अनुमति देता है, जिससे सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 2024 में निरस्त की गई कार्यपालिका द्वारा दंड देने की प्रक्रिया पुनः लागू हो गई है।

ओपीएस समाप्त करने के आदेश के विरोध में विभिन्न संस्थान कार्मिकों का धरना

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के बोर्डों, निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं, विश्वविद्यालयों आदि में ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) समाप्त करने के नौ अक्टूबर को जारी आदेश के विरोध में इन संस्थानों के सेवारत एवं सेवानिवृत कार्मिकों एवं अधिकारियों ने जयपुर के शहीद स्मारक परिसर में धरना दिया। राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्पलाइज यूनियन महासचिव धर्मवीर चौधरी ने बताया कि इन संस्थानों के कार्मिकों एवं अधिकारियों के संगठनों के ओपीएस बचाओ संयुक्त मंच के आह्वान पर आयोजित इस धरने में रोडवेज, बिजली कंपनियों, जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट, पर्यटन विकास निगम, वित्त निगम, भण्डार व्यवस्था निगम, कृषि विपणन बोर्ड, राजस्थान विश्वविद्यालय आदि संस्थानों के चार हजार से ज्यादा कर्मचारी, अधिकारी धरने में शामिल थे। उन्होंने बताया कि इससे पहले इन संस्थानों के कार्मिकों एवं अधिकारियों द्वारा 11 नवम्बर को राज्यभर में कार्य समय के दौरान काली पट्टी धारण करके ओपीएस के खिलाफ विरोध प्रकट किया जा चुका है।

स्टेच्यू सर्किल पर उमड़ी भीड़, धूमधाम से मनाया जयपुर स्थापना दिवस

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में जयपुर के 298वें स्थापना दिवस पर मंगलवार शाम स्टेच्यू सर्किल लोक संस्कृति के रंगों में डूबा नजर आया। नगर निगम जयपुर की ओर से आयोजित भव्य सांस्कृतिक महोत्सव में शहरवासियों की भीड़ देर शाम तक बनी रही।

केन्द्र सरकार ने खरीद के लक्ष्यों की सैद्धान्तिक स्वीकृति की प्रदान

किसानों से दलहन-तिलहन की होगी समर्थन मूल्य पर खरीद

मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और उड़द की होगी खरीद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य में किसानों से 3.05 लाख मीट्रिक टन मूंग, 5.54 लाख मीट्रिक टन मूंगफली, 2.65 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन और 1.68 लाख मीट्रिक टन उड़द की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद होगी। मंगलवार को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से हुई बैठक में केन्द्र सरकार ने खरीद के लक्ष्यों का सैद्धान्तिक रूप से अनुमोदन किया।

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार मंजू राजपाल और राजफेड के प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा इस बैठक में वीसी के माध्यम से शामिल हुए। भारत सरकार ने उड़द की 100 प्रतिशत खरीद पर सहमति प्रदान की है, जिसके चलते किसानों से 0.42 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य की तुलना में 1.68 लाख मीट्रिक टन उड़द की खरीद हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा मूंग का समर्थन मूल्य 8,768 रुपये, उड़द का 7,800 रुपये, मूंगफली का 7,263 रुपये एवं सोयाबीन का समर्थन मूल्य 5,328 रुपये प्रति क्विंटल एफ.ए.क्यू. श्रेणी का घोषित किया गया है। खरीद से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के लिए राजफेड के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

राज्य के किसानों से दलहन और तिलहन की एमएसपी पर इस बड़ी मात्रा में खरीद से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, उन्हें भविष्य के कृषि जिन्स बाजार भाव की अनिश्चितता की चिन्ता से मुक्ति मिलगी। किसानों को इन फसलों का अधिक उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा दलहन और तिलहन आयात में कमी से विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि होगी, ट्रेड डेफिसिट में कमी आएगी।

ट्रेडमार्क विवाद में SHYAM नाम के उपयोग पर रोक जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिटी सिविल कोर्ट ने ट्रेडमार्क विवाद में एक अहम फैसला सुनाते हुए "SHYAM" नाम के उपयोग पर लगी अंतरिम रोक (ex-parte injunction) को बरकरार रखा है। कोर्ट ने प्रतिवादी द्वारा "SHYAM-G" नाम के उपयोग को उपभोक्ताओं में भ्रम पैदा करने वाला मानते हुए, मुकदमे के अंतिम निपटारे तक इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी रखने का निर्देश दिया है।

वादी कंपनी श्यामधनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जयपुर ने आरोप लगाया था कि प्रतिवादी द्वारा "SHYAM-G" का इस्तेमाल उनके पंजीकृत चिन्ह "SHYAM" का उल्लंघन है। दोनों ही पक्ष वर्ग-30 (खाद्य उत्पाद) में कारोबार करते हैं, जिससे बाज़ार में भ्रम की आशंका बढ़ जाती है। वहीं, प्रतिवादी का कहना था कि उनका व्यापार अहमदाबाद में संचालित नहीं होता और वे अलग उत्पाद बेचते हैं, इसलिए उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने अपने अवलोकन में कहा कि "SHYAM" और "SHYAM-G" में स्पष्ट ध्वन्यात्मक समानता है। साथ ही ऑनलाइन बिक्री और रिकॉर्ड के आधार पर प्रतिवादी की अहमदाबाद में मौजूदगी सिद्ध होने से अधिकारिता (jurisdiction) भी सही पाई गई।

अदालत ने प्रतिवादी की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि अंतिम निर्णय तक प्रतिवादी "SHYAM" या इससे मिलते-जुलते किसी भी नाम का उपयोग नहीं करेगा। वादी कंपनी के डायरेक्टर रामावतार अग्रवाल ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह आदेश ट्रेडमार्क अधिकारों की सुरक्षा और बाज़ार में पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बाबूलाल को 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जमवारामगढ़। भानपुर कलां कस्बा निवासी पत्रकार बाबूलाल कांकरेलिया को वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित 'ग्राम गदर' ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें यह सम्मान सेहत पर भारी पैकेट बंद खाद्य पदार्थ एवं प्रोसेस्ड फूड विषय पर किए गए उनके जनहितकारी और जागरूकता बढ़ाने वाले लेखन के लिए मिला। यह सम्मान कट्स संस्थान द्वारा अजमेर के होटल फर्न रेजीडेंसी, क्रिश्चियन गंज, आनंद नगर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान की 'परियोजना मोटिवेशन एंड इम्पेक्ट ऑफ ग्रासरूट फिलांथ्रोपी इन राजस्थान' के तहत आयोजित हितधारक परामर्श बैठक के दौरान हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. कंचन माथुर, रिटायर्ड प्रोफेसर, विकास अध्ययन संस्थान जयपुर रहीं, जबकि अध्यक्षता कट्स संस्थान के निदेशक अमृत सिंह ने की। मंच संचालन सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर अमरदीप सिंह ने किया।

जयपुरिया विद्यालय के वार्षिक खेल उत्सव में दिखा जुनून

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जे.एल.एन. मार्ग स्थित जयपुरिया विद्यालय में "वार्षिक खेल दिवस" का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि जयपुरिया एकेडमी के क्रिकेट प्रशिक्षक रोहित झालानी थे। विद्यालय कमेटी के सदस्य विद्यालय निदेशक डी. एम. जैन, प्रधानाचार्या रेनू शर्मा, उप प्रधानाचार्या दीपाली त्रिपाठी जी ने ज्ञान एवं प्रकाश का प्रतीक दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लयबद्ध स्वागत गीत के मधुर बोलो के पश्चात गांधी शिवाजी प्रताप एवं टैगोर चारों सदनों के विद्यार्थियों ने कदम ताल के द्वारा अद्भुत, सामंजस्य पूर्ण, व्यवस्थित और अनुशासित जीवन की प्रेरणा देते हुए सलामी दी।

विद्यालय में आयोजित अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजित प्रतियोगियों को पुरस्कार देते हुए मुख्य अतिथि रोहित झालानी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि " शिक्षा के साथ जीवन में खेलकूद का भी अत्यंत महत्व है। छात्रों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है, जब वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे। शिक्षा के विभिन्न आयामों में खेलकूद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"खेलकूद गतिविधियों में प्रताप सदन प्रथम रहा। प्रधानाचार्या रेनू शर्मा ने विभिन्न सह शैक्षिक गतिविधियों से अवगत कराते हुए शिक्षा एवं खेल को एकाग्रचित्ता और संयम का पर्याय बताया उन्होंने कार्यक्रम के समापन पर अतिथि तथा सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर कांग्रेस ने चाचा नेहरू की मनायी जयंती

माउंट आबू @ जागरूक जनता। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नेहरू सर्कल पहुंचकर पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने "नेहरूजी अमर रहें" एवं "कांग्रेस पार्टी ज़िंदाबाद" के नारे लगाकर नेहरूजी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू का योगदान भारत के इतिहास में अमिट है। उनके विचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रगतिशील सोच आज भी देश को प्रेरित करते हैं। इसके साथ ही नगर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नवनीत बंसल ने भी उद्बोधन देते हुए कहा कि नेहरूजी ने आधुनिक भारत की नींव रखी और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि नेहरूजी के आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा अंत में सभी ने एक दूसरे को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इस मौके पर नगरपालिका के पुर्व अध्यक्ष जितू राणा, मीना देवी, युसूफ खां, शैतान सिंह दहिया, जगमाला राम मेघवाल, सुनिल मेहरा, मुकेश मेघवाल, दिनेश हंस, संजय सिंह परिहार, इरशाद अहमद, पुनम सिंह, जगदीश कण्डारा, सुभाष राणा, प्रवीण कुमार,मोहन हिरागर, सौकिन खां, कमल कुमार, प्रवीण सिंह, मुकेश टेलर, विमल, नजीर भाई, साखल सिह,जुनैद, कयालुदिन, अजय राणा, समरत धानक, चमपा लाल टेलर, आदि कही सख्या मे कांग्रेस के कार्यकर्त्ता मोजूद रहे।

सोशल मीडिया पर वॉर of माइंड्स

अब कोई भी जंग सिर्फ ज़मीन और आसमान पर ही नहीं लड़ी जाती है, 'दिमागी कब्जा' जंग का नया हथियार है :

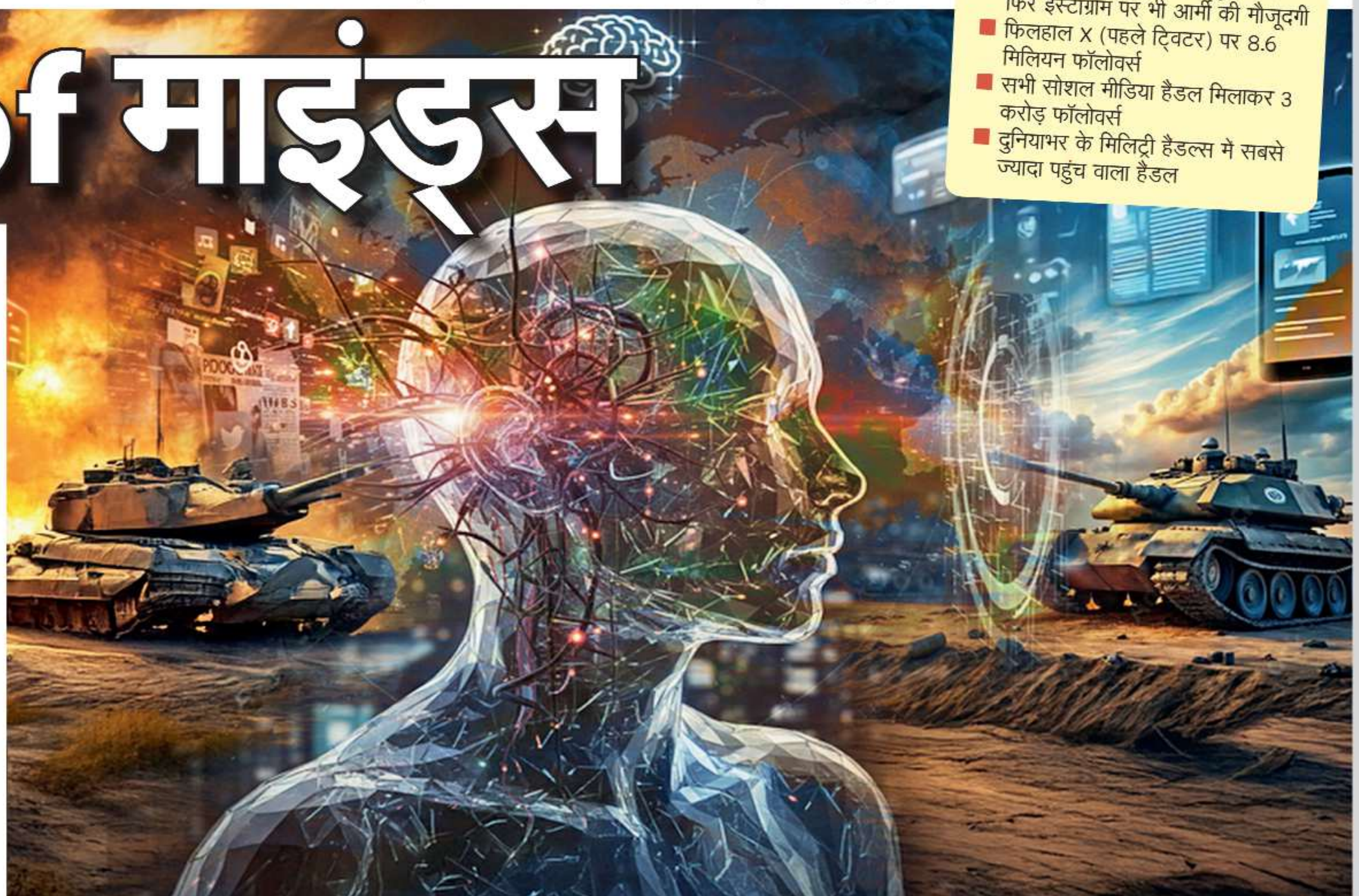

AI Image

ऑपरेशन सिंदूर में महज 25 मिनट में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंक के 9 ठिकाने ध्वस्त कर दिए। यह 4 दिनों की आसमान, ज़मीन और टेक्नॉलजी की जंग थी। बॉर्डर के अलावा एक जंग दिमाग पर कब्जे की भी हुई। इसमें गोलियों की जगह नैरेटिव (सोच या नज़रिया बदलने वाली बातें) ने ली और मोर्चा सोशल मीडिया और नोटिफिकेशंस ने संभाला। अब भी लगातार ज़ारी दिमाग पर कब्ज़े की जंग के बारे में

@जागरूक जनता

सालः 2025, तारीखः 6/7 मई की रात, वक्तः 1:51 बजे

महज 3 शब्दों ने उस रात पूरी दुनिया को वह संदेश दे दिया जो भारत देना चाहता था। इंडियन आर्मी के X (पहले ट्विटर) हैंडल **@adgpi** से पोस्ट हुआ- Justice is Served इसके साथ ऑपरेशन सिंदूर का लोगो। बस, इतना ही काफी था। उन 3 शब्दों में जो बात भारत कहना चाहता था, वह दुनिया ने साफ-साफ सुन ली। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया के इतिहास में नया रेकॉर्ड बना दिया। इसके बाद इंडियन आर्मी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर कई प्रयोग शुरू किए। कभी राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता तो कभी रॉक म्यूजिक के साथ बनाए विडियो। पर सवाल है कि आखिर क्यों? इसका मकसद क्या था और इससे हासिल क्या हुआ?

तेज़ होती दिमागी जंग

इस दिमागी जंग को कॉग्नेटिव वॉरफेयर (Cognitive Warfare) कहा जाता है। दुनियाभर की सेनाएं जो भी फोटो या विडियो शेयर करती हैं, वे इसी का हिस्सा होती है। इसमें हथियार नही, सोच और भावनाएं चलती है। मकसद है लोगों के विचार, भरोसे, भावनाओ और फैसलों पर असर डालना। 9 नवंबर को भारतीय सेना ने X हैंडल पर 30 सेकंड का विडियो जारी किया- Coordinates have consequences। साथ ही लिखा, 'हम टारगेट का पीछा नही करते, उसे खत्म कर देते है।' विडियो सामने आते ही चर्चा तेज हो गई कि क्या भारत 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' लॉन्च करने जा रहा है? क्या नए टारगेट तय कर लिए है? इससे 2 दिन पहले ही आर्मी ने लिखा था- 'Shadows and Steel... this weekend onwards.' बस फिर क्या था, लोगों ने अंदाजे लगाने शुरू कर दिए कि आखिर क्या होने वाला है। साथ ही यूज़र्स ने ऑपरेशन सिंदूर के पुराने विडियो पोस्ट करने शुरू कर दिए। अब यह स्वाभाविक था क्योंकि सेना की बड़ी एक्सरसाइज के विडियो सामने आते ही लोगों के दिमाग मे ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर ही उभरती है। यही है कॉग्नेटिव वॉरफेयर की कामयाबी है, जब दिमाग में पहले से ही एक इमेज बैठा दी जाए।

सच वही जो दिमाग में बैठा दिया जाए

आज की हकीकत यही है कि परसेप्शन इज रिएलिटी। असलियत भले ही कुछ और हो, लेकिन जो दिखता है वही सच माना जाता है। अमेरिका दशकों से इस कला में माहिर है। हॉलिवुड की टॉप गन जैसी फिल्मों से लेकर मिलिट्री कैंपेन तक, सबके जरिए एक ही संदेश दिया जाता है कि अमेरिकी सेनाएं दुनिया मे सबसे ज्यादा ताकतवर हैं। इंडियन आर्मी भी अब इस ओर तेजी से आगे बढ़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के वक्त जब किसी विडियो में रामधारी सिंह दिनकर की 'रश्मिरथी' की पंक्ति 'याचना नही अब रण होगा' शामिल की गई तो वह हर वर्ग तक पहुंची। Gen-Z को शायद दिनकर की कविता न पता हो लेकिन उसमें इस्तेमाल रॉक म्यूजिक ने उन्हें साथ जोड़ा। इसलिए उस विडियो पर 'Dude, this is so cool!' जैसे कमेंट्स दिखे। इसी तरह इंस्टाग्राम पर 'वीकेंड वाइब्स'

नाम से सीरीज चलाई जा रही है, जिसमें सैनिको को कश्मीर के किसी कोने में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते या मुस्कुराते दिखाया जाता है ताकि सेना का मानवीय चेहरा भी सामने आए। एक अधिकारी बताते हैं कि जब हम विडियो में आर्मी का नया ऑल-टेरेन वीइकल (हर तरह की जमीन पर चलने वाला वाहन) दिखाते है तो सिर्फ मशीन नही दिखा रहे होते, यह दुश्मन को संदेश देने का तरीका है कि हम कही भी पहुंच सकते है। पैराजंपिंग या ड्रोन ऑपरेशन के विडियो भी इसी सोच का हिस्सा है। Gen-Z को जोड़ने के लिए अब 10 से 20 सेकंड के विडियो भी बनाए जा रहे हैं, जो तेज, छोटे और असरदार हैं। एम्स के साइकियाट्री विभाग के प्रफेसर डॉ. नंद कुमार बताते है कि शॉर्ट विडियो का असर ज्यादा इसलिए होता है क्योंकि अब अटेंशन स्पैन बेहद कम है, लोग लंबे विडियो नहीं देखते। हम पढ़ने के बजाय विडियो देख कर फैसला आसानी से कर लेते है। शॉर्ट विडियो में अगर स्पेशल साउंड इफेक्ट हो, जो खास तरह की ब्रेन वेव्स को प्रभावित करता है तो उसका ज्यादा असर होता है।

नया मोर्चा

- मार्च 2013 में इंडियन आर्मी का ट्विटर (अब X) हैंडल बना
- इसके कुछ महीने बाद फेसबुक और फिर इंस्टाग्राम पर भी आर्मी की मौजूदगी
- फिलहाल X (पहले ट्विटर) पर 8.6 मिलियन फॉलोवर्स
- सभी सोशल मीडिया हैंडल मिलाकर 3 करोड़ फॉलोवर्स
- दुनियाभर के मिलिट्री हैंडल्स में सबसे ज्यादा पहुंच वाला हैंडल

जानकारी है बड़ा हथियार

करगिल युद्ध से पहले तक भारतीय सेना और मीडिया के बीच दूरी थी। इसका मतलब था कि जनता से दूरी। पर अब ऐसा नही है। करगिल युद्ध के बाद इंडियन आर्मी मे बना एडिशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन (ADGSC, पुराना नाम ADGPI) जो पहले सिर्फ जरूरी सूचनाएं देने का काम करता था, अब नैरेटिव सेट करने और दुश्मन के नैरेटिव को ध्वस्त कर रहा है। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी कोशिश यही रही कि दुश्मन किसी भी जानकारी को हथियार बनाकर इस्तेमाल न कर सके और हम इस खेल में उससे कई कदम आगे रहें। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की ISPR (Inter-Services Public Relations) कही बड़ी और ज्यादा संसाधनो वाली टीम है। वहा 532 स्थाई कर्मचारी है, जिनमें आर्मी ऑफिसर से लेकर सिविलियन तक शामिल हैं। 5-6 हजार इंटर्न सालाना रखे जाते हैं। इसके मुकाबले भारत का ADGSC सिर्फ 50 लोगों की टीम है जिसमें 18 अधिकारी शामिल हैं। लेकिन असर और विश्वसनीयता के स्तर पर हम कही आगे है।

हर पिक्चर कुछ कहती है

सेना लगातार लोगों से अपना रिश्ता गहरा करने की कोशिश करती है। एक अधिकारी कहते है, 'हम देशवासियों को बताना चाहते हैं कि हम प्रफेशनल और काबिल सेना है, जो खतरा समझती है और लगातार अपग्रेड होती रहती हैं।' यही वजह है कि सेना अब सिर्फ सुरक्षा का प्रतीक नही बल्कि भरोसे और प्रेरणा का चेहरा भी बन गई है। सवाल यह भी कि जिन लोगों को मिलिट्री कॉन्टेंट मे रुचि नही है उन्हें कैसे दिखाया जाए। इसके लिए भी प्रयोग हो रहे हैं। इंस्टाग्राम पर किसी सैन्य वाहन की तस्वीर के साथ कोई शेर पोस्ट किया जाता है जैसे- 'मै अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।' यानी शायरी का इस्तेमाल भी रिश्ता गहरा कर रहा है।

जंग के माहौल में बहुत काम आती है सॉफ्ट पावर

एक अधिकारी बताते है, 'हम सोशल मीडिया को सिर्फ कम्युनिकेशन टूल नही बल्कि रणनीतिक क्षमता के रूप में देखते है।' ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आर्मी के सोशल मीडिया के सभी प्लैटफॉर्म को मिलाकर कॉन्टेंट की पहुंच करीब 49 करोड़ रही थी। यह दिखाता है कि जब ऑडियंस लगातार जुड़ी है तो संकट या युद्ध के वक्त वे सही सूचना के लिए इन्ही प्लैटफॉर्म्स पर भरोसा करती है। इससे फेक न्यूज का असर कम होता है और लोग हर जानकारी को वेरिफाई करने की कोशिश करते है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 15 प्रतिशत समय फेक न्यूज से मुकाबला करने मे खर्च हुआ। ऐसे वक्त में जब टैंक, तोप और फाइटर जेट गरज रहे होते है तब सालभर सोशल मीडिया के जरिए दुनिया से जुड़े होने का फायदा दिखता है। तब पूरी दुनिया भारत की हार्ड पावर के साथ ही सॉफ्ट पावर से भी वाकिफ होती है। यह सिर्फ फौज का चेहरा नही दिखाता बल्कि देश का संदेश भी दूर तक पहुंचाता है।

टिप्स, ट्रिक्स, आइडियाज़

एक्सपर्ट पैनल

मनन वासन
AI और साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट

प्रो. फरहत बी. खान
डिजिटल मीडिया एक्सपर्ट

कहते हैं कि अपने दिल के राज किसी भी अनजान को नहीं बताने चाहिए। लेकिन, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के इस दौर में हम अक्सर ChatGPT, Grok जैसे AI टूल्स से पर्सनल बातें भी साझा कर लेते हैं, क्योंकि हमें पता ही नहीं है कि ऐसा करना बेहद खतरनाक हो सकता है। जानते हैं कि ऐसी कौन-सी बातें हैं जो AI को कभी नहीं बतानी चाहिए। कुछ चुनिंदा जानकारी दे रहा है जागरूक जनता।

यहां हर बात बताई तो फंस जाएंगे!

पेन से लेकर प्रॉपर्टी खरीदने तक में ली जा रही है AI से मदद

'मुझे इस कंपनी का पेन खरीदना है। कहां मिलेगा? यह अच्छा है या नहीं?'
'मुझे NCR में प्रॉपर्टी खरीदनी है। मेरा बजट 1 करोड़ रुपये है। 3BHK घर कहां मिलेगा?'
'मैं कुछ समय से उदास हूं। क्या करूं?'

ये और ऐसे ही तमाम सवाल इन दिनों AI टूल्स से पूछे जा रहे हैं। इंसानों से ज्यादा इन टूल्स पर निर्भरता बढ़ रही है और हम इन्हें अपना पर्सनल सलाहकार समझने लगे हैं। इसी वजह से अपनी निजी बातें भी बता देते है। कुछ लोग तो अपने मन के सवालों का जवाब पाने के लिए AI को ऐसे जवाब दे रहे हैं जो किसी के हाथ लग जाएं तो ज़िंदगी में उथल-पुथल हो सकती है। AI हमारे सवालों के जवाब दे सकता है, लेकिन क्या इसे अपनी ज़िंदगी की खिड़की बनाना सही है? इसका जवाब यही है कि जो बातें हम किसी अजनबी से नही कहते, वे AI को भी नही बतानी चाहिए।

क्यों और क्या हो सकती है परेशानी?

AI चैटबॉट्स लगातार इंटरनेट और यूज़र्स यानी हमसे बातचीत करके सीखते रहते है, ताकि अपने जवाबों को बेहतर बना सकें। लेकिन यही सुविधा कई बार खतरे की वजह भी बन सकती है क्योंकि इन टूल्स पर साझा की गई जानकारी किसी क्लाउड सर्वर पर सेव हो सकती है। अगर कोई अनजाने में या जानबूझकर अपनी संवेदनशील या पर्सनल जानकारी जैसे बैंक डिटेल, आधार नंबर या पर्सनल मेसेज आदि साझा कर देता है तो यह डेटा लीक, फिशिंग अटैक या पहचान की चोरी यानी आइडेंटिटी थेफ्ट जैसी गंभीर समस्याओं की वजह बन सकता है। इतना ही नही, किसी कंपनी या संस्था से जुड़ी सीक्रेट जानकारी शेयर करने पर कमर्शल या लीगल डेटा लीक का डर भी रहता है। इसलिए जान लें कि हर सवाल AI से पूछने लायक नही होता। साथ ही सवाल पूछते समय बहुत-सी जानकारियां बताने लायक नहीं होती।

पर्सनल डेटा

इसमें नाम, उम्र, फोन नंबर, मोबाइल नंबर, घर का पता, ईमेल एड्रेस, जन्मतिथि, आधार, पैन, पासपोर्ट, वोटर आईडी आदि जानकारियां शामिल है। वैसे तो ये जानकारियां सामान्य-सी लगती हैं, लेकिन इन्हें एकसाथ जोड़ दिया जाए तो हमारी ऑनलाइन पहचान तक पहुंचा जा सकता है।

ऐसे-ऐसे खतरे: इन जानकारियों से हमारे फेक सोशल मीडिया अकाउंट तो बनाए ही जा सकते हैं, साथ ही अगर ये जानकारियां साइबर ठगों के हाथ लग जाएं तो वे हमें कई तरह से ठग सकते है। वे फिशिंग अटैक के जरिए ईमेल, मेसेज आदि भेजकर हमारी और भी जानकारियां निकाल सकते हैं। चूंकि उनके पास हमारी कई जानकारियां पहले ही होंगी तो हमें लगेगा कि सामने कोई सही शख्स बैठा है जो हमसे बाकी जानकारी पूछ रहा है। झांसे में आकर हम बैंक डिटेल, क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी शेयर कर सकते हैं।

फाइनैंशल डेटा

इसमें बैंक अकाउंट नंबर, IFSC, क्रेडिट/डेबिट कार्ड डिटेल, UPI आईडी, ट्रांजेक्शन स्क्रीनशॉट, सैलरी स्लिप, इन्वेस्टमेंट, टैक्स से जुड़ी जानकारियां शामिल है। ये सामान्य दस्तावेज लगते हैं पर इनसे सीधे हमारे पैसों तक मे सेंध लगाई जा सकती है।

ऐसे-ऐसे खतरे: अगर ये जानकारियां गलत हाथ में चली जाएं तो फ्रॉड लेन-देन, अकाउंट टेकओवर या क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी हो सकती है। भले ही हम शुरुआती तौर पर सिर्फ एक स्क्रीनशॉट या मोबाइल पेमंट आईडी दें, ठग इसे और जानकारी हासिल करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं या नकली पेमंट/लोन के लिए हमारी पहचान का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इसलिए फाइनैंशल डिटेल्स कभी भी AI या अनवेरिफाइड टूल पर या किसी दूसरी जगह कभी शेयर न करें।

बिज़नेस प्लान

कई कंपनियां अपने बिजनेस मॉडल, मार्केटिंग स्ट्रैटेजी या नए प्रोजेक्ट के आइडिया को सुधारने के लिए AI की मदद ले रही हैं। लेकिन इस दौरान जब कोई अपने बिजनेस प्लान, क्लाइंट डिटेल, सेल्स फिगर, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, आरएंडडी डेटा या इंटरनल डॉक्युमेंट्स को साझा करता है तो यह बड़ा जोखिम बन सकता है।

ऐसे-ऐसे खतरे: ऐसी जानकारी लीक या हैक हो गई तो यह कॉर्पोरेट जासूसी, बिजनेस लॉस या इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी की चोरी जैसी गंभीर घटनाओ की वजह बन सकती है। विरोधी या कॉम्पिटीशन करने वाली कंपनियां इन डिटेल्स का इस्तेमाल आइडिया या स्ट्रैटेजी को कॉपी करने, क्लाइंट छीनने या मार्केट मे इमेज खराब करने के लिए कर सकती हैं। किसी गोपनीय समझौते (NDA) के तहत साझा की गई जानकारी के लीक होने पर कानूनी कार्रवाई और कॉन्ट्रैक्ट कैंसल होने का भी खतरा रहता है।

हेल्थ और मेडिकल रेकॉर्ड

हम में से कई लोगों ने तो AI को अपना फिटनेस एक्सपर्ट, हेल्थ एक्सपर्ट यहां तक कि पर्सनल डॉक्टर तक बना रखा है। कोई दिक्कत हो तो उसके लक्षण बताते हैं। मेडिकल रिपोर्ट अपलोड कर आसान शब्दों में उसे समझते हैं।

ऐसे-ऐसे खतरे: इससे हमारी बीमारियों, मेंटल हेल्थ या दवाओं से जुड़ी जानकारियां इंश्योरेंस कंपनियों, एम्प्लॉयर्स या दूसरी संस्थाओ के पास पहुंच सकती हैं। इससे इंश्योरेंस मिलने की संभावना, जॉब के मौकों या सामाजिक इमेज पर भी असर पड़ सकता है। डेटा का इस्तेमाल लोगों को टारगेट करने, मेडिकल धोखाधड़ी करने या दवाओं से जुड़ी झूठी जानकारी फैलाने के लिए किया जा सकता है।

इमोशन जताना

आजकल हम अपने मन की बात किसी दोस्त से कम और इन AI टूल्स से ज्यादा करने लगे है। कोई उदास हो तो AI से पूछता है कि मूड ठीक नही है, क्या करूं? कुछ तो अपने रिश्तों की बातें तक इनसे साझा करने लगते हैं।

ऐसे-ऐसे खतरे: इन चैट्स मे अक्सर हमारी इमोशनल स्थिति, रिलेशनशिप और मेंटल हेल्थ जैसी बहुत पर्सनल जानकारियां होती हैं। अगर ये डेटा लीक हो गया तो कोई हमें ब्लैकमेल कर सकता है। कई बार AI हमारी भावनाओं को ठीक से समझ नही पाता और ऐसे जवाब दे सकता है जो हमारी हालत और बिगाड़ दें। इसलिए यह याद रखना ज़रूरी है कि AI दोस्त या थेरेपिस्ट नही, सिर्फ एक मशीन है।

तरह-तरह के फोटो वाले ट्रेंड में कूदना

बीते दिनों AI Barbie, Ghibli जैसे कई ट्रेंड आए और तस्वीरें अपलोड करने की ऐसी होड़ मच गई कि कई AI टूल्स के सर्वर तक क्रैश हो गए। उस वक्त तो ये ट्रेंड मजेदार लगे, लेकिन हमने यह नहीं सोचा कि हम सिर्फ अपनी नही बल्कि अपने पूरे परिवार की तस्वीरें इन टूल्स को दे रहे हैं।

ऐसे-ऐसे खतरे: ये तस्वीरें AI सिस्टम में स्टोर होकर आगे किसी दूसरे काम के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं। जैसे- विज्ञापन, मॉडल ट्रेनिंग या किसी दूसरे यूजर की इमेज जेनरेशन में। इन तस्वीरों का इस्तेमाल डीपफेक बनाने में भी किया जा सकता है। बहुत-सी मशहूर हस्तियां इसका शिकार हो चुकी हैं। साथ ही, चेहरा हमारी बायोमैट्रिक पहचान होती है। इसके गलत हाथों में जाने पर हमारी क्या-क्या चीजे हैक हो सकती हैं हम सोच भी नही सकते।

कानूनी दस्तावेज़

AI को कुछ लोग कानूनी सलाहकार समझने लगे हैं। किसी कॉन्ट्रैक्ट, केस या निजी विवाद में ऐसे टूल्स से मदद ले रहे हैं, लेकिन ध्यान रहे कि ये टूल्स वकील नहीं हैं।

ऐसे-ऐसे खतरे: AI से मिली जानकारियां अधूरी और गलत हो सकती हैं। आंकड़ों के मामले में AI बहुत गलती करता है और फिर माफी मांग लेता है, लेकिन उसकी एक गलती हमें बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। हमारा केस गलत दिशा में ले जा सकती है। साथ ही अपने केस, अग्रीमेंट या विवाद के लीगल डॉक्युमेंट AI पर अपलोड करने के बाद लीक हुए तो हमारा पक्ष कमजोर पड़ सकता है और इसका फायदा विरोधी पार्टी उठा सकती है।

क्रिएटिव काम

कई बार कोई किताब, कहानी, स्क्रिप्ट या कविता आदि लिखने के बाद उसे बेहतर बनाने या डिजाइन बनाने के बाद उसे एडिट कराने के लिए AI से शेयर करते हैं। इससे बाद मे हमें नुकसान हो सकता है।

ऐसे-ऐसे खतरे: चूंकि ये टूल्स हमारी बातें स्टोर करके रख लेते हैं इसलिए पूरी संभावना है कि किताब, कहानी, स्क्रिप्ट, कविता आदि कही दूसरी जगह इस्तेमाल हो जाए। कही दूसरी जगह बैठा शख्स AI से कोई कहानी लिखने को कहे तो हो सकता है कि वह हमारी कहानी का हिस्सा उठाकर उसे दे दे। इससे हमारे आइडिया या काम की असली ओनरशिप खत्म हो सकती है। कोई दूसरा उसे अपने नाम से इस्तेमाल कर लेगा तो कॉपीराइट या मालिकाना हक जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, जिससे लीगल और फाइनैंशल नुकसान तक हो सकता है।

सबसे ज़रूरी बात

जो बातें हम किसी इंसान के साथ शेयर नही कर सकते, उसे किसी मशीन से भी न शेयर करें। खासकर ऐसे मशीनी टूल्स जो अपने सर्वर में बारीक से बारीक बात स्टोर करते हैं। उसे दूसरे यूजर को दे सकता है।

कुछ भी मिटाना लगभग नामुमकिन : यह ध्यान रखें कि डिजिटल युग में AI टूल्स पर या ऑनलाइन शेयर किया हुआ डेटा पूरी तरह से मिटा पाना लगभग नामुमकिन है। वह कही न कही स्टोर रहेगा ही। इसलिए जिस भी AI प्लैटफॉर्म इस्तेमाल करते हैं, उनकी प्राइवेसी पॉलिसी पढ़ें और यह समझें कि हमारी जानकारी कहां और कैसे रखी या इस्तेमाल की जा रही है। AI टूल्स का इस्तेमाल करें, लेकिन समझदारी के साथ।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 8वां राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल की अध्यक्षता एवं गरिमामयी उपस्थिति में आठवां राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलगुरु ने 7 दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा सप्ताह के सफल समापन पर अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया उन्होंने इस आयोजन को प्राकृतिक चिकित्सा व योग की वैज्ञानिक समझ को बढ़ाने वाला सार्थक प्रयास बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सा के विविध उपयोगी मॉडलों की भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसके मूल्यांकन हेतु प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा एवं प्रो. हरीश कुमार सिंघल निर्णायक के रूप में सम्मिलित हुए ।कार्यक्रम में डॉ गजेंद्र कुमार जी अतिथि व्याख्यान से प्राकृतिक चिकित्सा की महता को समझाया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान सिंह ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, निर्णायकों तथा प्रतिभागी छात्रों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बुलेट ट्रेन से बदलेगा राजस्थान का भविष्य, पर्यटन से रोजगार तक खुलेगी नई राह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/नई दिल्ली। राजस्थान में हाई-स्पीड रेल कॉरिडोरों का भविष्य अब साफ दिखाई देने लगा है। दिल्ली से अहमदाबाद के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन जल्द ही राजस्थान की जमीन पर दौड़ती नजर आएगी, जिससे पर्यटन और रोजगार के नए युग की शुरुआत होगी। इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की लंबाई कुल 875 किलोमीटर होगी, जिसमें से लगभग 657 किलोमीटर हिस्सा राजस्थान में आएगा। ट्रेन राजस्थान के सात जिलों अलवर, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर और डूंगरपुर के करीब 335 गांवों से होकर गुजरेगी। इस मार्ग पर कुल 11 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें से 9 राजस्थान में होंगे। जयपुर, अजमेर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बहरोड़, शाहजहांपुर, विजयनगर और खेरवाड़ा इन प्रमुख स्टॉपेज में शामिल होंगे। यह ट्रेन सीधे पर्यटन शहरों और ऐतिहासिक धरोहरों को जोड़ते हुए यात्रियों को राजस्थान की संस्कृति, विरासत और नए विकास के रास्ते से परिचित करवाएगी।

राहत समय की होगी

अभी दिल्ली से अहमदाबाद की यात्रा ट्रेन से लगभग 14 घंटे लेती है, लेकिन बुलेट ट्रेन शुरू होने पर यह सफर सिर्फ 3 से 4 घंटे में पूरा हो जाएगा। ट्रेन की रफ्तार 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी, जो भारत में सबसे तेज यात्री ट्रेन सेवा साबित हो सकती है। यह मार्ग सुरंगों, पुलों, पहाड़ी इलाकों और देश की पांच प्रमुख नदियों से होकर गुजरेगा, जिससे यह तकनीकी तौर पर भी एक बड़ी उपलब्धि होगी।

पर्यटन एवं अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

हाई-स्पीड रेल से सिर्फ यात्रा समय ही कम नहीं होगा, बल्कि इससे राजस्थान के पर्यटन स्थलों को भी नई ऊर्जा मिलेगी। जयपुर, अजमेर, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे ट्रैवल डेस्टिनेशन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सुलभ हो जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, परिवहन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में बड़ा इजाफा होगा।

जोधपुर फिलहाल रूट से बाहर, लेकिन टेस्ट ट्रैक तैयार

पर्यटन का प्रमुख केंद्र जोधपुर इस कॉरिडोर में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, जोधपुर रेलवे डिवीजन में हाई-स्पीड टेस्ट ट्रैक तैयार किया जा रहा है, जहां भविष्य में बुलेट ट्रेन का ट्रायल होने की संभावना है। रेल मंत्रालय के मुताबिक, व्यवहारिकता परीक्षण के बाद स्पीड के मानक तय किए जाएंगे और धीरे-धीरे गति बढ़ाने की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है।

मुंबई से दिल्ली तक बढ़ेगा बुलेट ट्रेन नेटवर्क

वर्तमान में मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का लगभग 300 किलोमीटर का ट्रैक तैयार हो चुका है। योजना है कि इसे आगे दिल्ली तक जोड़ा जाए, जिससे भारत का पहला लंबा बुलेट ट्रेन नेटवर्क तैयार हो सके। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में अंडर कंस्ट्रक्शन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की समीक्षा की। पीएम मोदी बुलेट ट्रेन स्टेशन निर्माण में लगे कर्मचारियों से भी मिले। कर्मचारियों ने कहा कि बुलेट ट्रेन हमारी पहचान है। यह उपलब्धि हमारी, आपकी और मोदी जी की है। पीएम मोदी ने इस दौरान कर्मचारियों से काम आ रही दिक्कतों या समय के हिसाब से निर्माण कार्य चल रहा है या नहीं, इसको लेकर सवाल किए।

हर्षोल्लास से मनाया बाल दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। माउंट आबू के रोटरी इंटीग्रेटेड सेकण्डरी स्कूल में बाल दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अशोक वर्मा, सदस्य, प्रबंधन समिति सभी बच्चो को अपना आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन वंदना अग्रवाल और प्रतीक्षा आचार्य द्वारा किया गया। मंच संचालन श्री हरे कृष्ण शर्मा और वंदना अग्रवाल ने संभाला। सभी शिक्षकों ने छात्रों के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को ऊर्जा और आकर्षण से भर दिया। इस अवसर पर विद्यालय ने कक्षा 10वीं बोर्ड 2025 परीक्षा में स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली नैना कंवर बारोड को विशेष रूप से सम्मानित किया। नैना की उपलब्धि पर पूरे स्कूल परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रबंधन समिति एवं प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति राठौड़ की ओर से सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य तथा उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएँ दी गईं। विद्यालय परिसर पूरे दिन बच्चों की मुस्कान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्साहभरी गतिविधियों से सराबोर रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान की इन नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर जताई कड़ी नाराजगी, कहा-बीस लाख लोग प्रभावित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। सुप्रीम कोर्ट में जोजरी, लूणी और बांडी नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर हुई सुनवाई में राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि उद्योगों से फैल रहे प्रदूषण पर नियंत्रण में राज्य की स्थिति बेहद दयनीय है, जिसकी वजह से जोधपुर, पाली और बालोतरा क्षेत्र के लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हो रहे हैं। न्यायाधीश विक्रम नाथ व न्यायाधीश संदीप मेहता की खंडपीठ में राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश की। खंडपीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लेते हुए मामला 21 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया और कहा कि संकट की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों से भी अधिक सख्त निर्देश देने पड़ सकते हैं। खंडपीठ ने कहा कि नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट सीधे छोड़ा जा रहा है और अधिकांश सीईटीपी को बायपास कर दिया गया है।

लगातार बिगड़ती जा रही है स्थिति

कोर्ट ने पूछा कि जब स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, तो ऐसे में शहरी निकायों और रीको को एनजीटी की ओर से लगाए गए दंड से राहत कैसे दी जा सकती है। शर्मा ने कोर्ट से अनुरोध किया कि एनजीटी की ओर से लगाए गए दो करोड़ रुपए के पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति दंड और प्रतिकूल टिप्पणियों पर फिलहाल रोक लगाई जाए, ताकि राज्य अनुपालना की प्रगति कोर्ट के सामने प्रस्तुत कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब एनजीटी के सभी सकारात्मक परिचालन निर्देशों को लागू करने का निर्णय लिया है और प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अब केवल कागजी आश्वासन नहीं

खंडपीठ ने राज्य के इस रुख को देखते हुए कहा कि अब केवल कागजी आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाली कार्रवाई जरूरी है। कोर्ट अब 21 नवंबर को इस जनहित याचिका पर विस्तृत आदेश जारी करेगा। सुनवाई के दौरान संकेत दिए गए कि कोर्ट कड़े दिशा-निर्देश जारी कर सकता है।

कुएं से पांच विशाल अजगर का सुरक्षित किया रेस्क्यू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के समीपवर्ती ओछड़ी गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने एक पुराने कुएं में अजगर दिखाई देने की सूचना वन्यजीव प्रेमियों को दी। ग्रामीणों ने शुरुआत में एक ही अजगर होने की आशंका जताई थी, लेकिन मौके पर पहुंची टीम ने जब कुएं में झांका तो सभी हैरान रह गए, कुएं में कुल पांच विशाल अजगर एक साथ मौजूद थे। यह घटना जिले में पहली बार दर्ज हुई है, जब एक ही स्थान से इतने अजगरों का सामूहिक रेस्क्यू किया गया। सूचना मिलते ही वन्यजीव प्रेमी मनीष तिवारी ने तुरंत अपनी रेस्क्यू टीम रामकुमार साहू, पीयूष कांबले, मुबारिक खान और चिराग को मौके के लिए रवाना किया। वही पहले से ही उपस्थित भरत मेनारिया और उनकी स्थानीय टीम ने भी पूरा सहयोग प्रदान किया। टीम ने कुएं की स्थिति का आकलन करने के बाद सावधानी पूर्वक घंटों तक चले अभियान में सभी अजगरों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू किए गए अजगर में लगभग 15 फीट लंबी 1 मादा अजगर, लगभग 8 से 9 फिट लंबे 3 नर अजगर और लगभग 5 फीट लंबा 1 नर अजगर शामिल थे। रेस्क्यू के बाद सभी पांचों अजगरों को समीपवर्ती जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ा गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस लेते हुए रेस्क्यू टीम की सराहना की। टीम ने भी ग्रामीणों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

मोटिवेशनल स्पीकर सुधीर श्रॉफ ने उपस्थित श्रोताओं को दी प्रेरणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। रोटरी क्लब अरबुदांचल द्वारा आज एक प्रेरणादायक और सारगर्भित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें "Validation" नामक लघु फिल्म का प्रदर्शन एवं उस पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का संचालन सुधीर श्रोफ द्वारा किया गया, जो पूज्य स्वामी ईश्वरानंद गिरि जी महाराज के शिष्य, काउंसलर, मोटिवेशनल स्पीकर हैं तथा संत सरोवर में युवा शिविरों (Youth Camps) का नियमित रूप से आयोजन करते हैं।

चर्चा के दौरान सभी उपस्थितजनों ने महसूस किया कि हम अक्सर अपने दैनिक जीवन में एक-दूसरे की सराहना करना भूल जाते हैं, जबकि यह सरल सा कदम रिश्तों को मजबूत बनाने और सकारात्मक माहौल तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम का मुख्य संदेश था कि प्रशंसा की संस्कृति को अपने व्यवहार में अपनाया जाए। अंत में रोटरी क्लब अरबुदांचल के अध्यक्ष रतन मनवीराज सिंह गहलोत ने सभी उपस्थित सदस्यों, परिवारजनों एवं बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर झोनी कनोजिया, विवेक जैन, कार्तिक जानी, सौरभ गोयल, हितेश अग्रवाल, मनवीराज सिंह गहलोत, मितिल हरियानी, अमित भाटी, दुश्यंत भाम्भाणी तथा परिवारजन व बच्चे। रोटरी क्लब अरबुदांचल समाज में प्रेरणा, सकारात्मकता और जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा।

वैज्ञानिक ही नहीं व्यवसायिक तरीके से भी करें भेड़ एवं खरगोश पालन -तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर के साउथ भारत में स्थित क्षेत्रीय केंद्र माननावनूर का 60वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमे अविकानगर संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। उन्होंने वर्तमान परिवेश में भेड़ एवं खरगोश पालन को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने के साथ व्यवसाय के रूप में करने की सलाह उपस्थित तमिलनाडु राज्य के किसानों को की गई। स्थापना दिवस कार्यक्रम संस्थान की अनुसूचित जाति उपयोजना से वित्तपोषित एवं एसी क्षेणी 60 किसानों के साथ 60 एंट्रेंप्रेनेर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम मे पधारे किसान एवं अथिति को क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डॉ राजेंद्रन द्वारा किये गये गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की एवं केंद्र ओर अविकानगर से आये वैज्ञानिकों डॉ जगवीरा पंडियन, डॉ के पैछ्यपन, डॉ सत्यवीर सिंह डागी, अरविन्द सोनी द्वारा भी संस्थान की विभिन्न उपलब्ध तकनिकीयों पर चर्चा उपस्थित किसानों से की। कार्यक्रम में किसानों से वैज्ञानिक संवाद भी किया गया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने दी जानकारी।

बालिकाएं टील्स एजुकेशन में ले रही है निःशुल्क इंग्लिश व कंप्यूटर ट्रेनिंग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। गांधी नगर स्थित टील्स एजुकेशन में राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चयनित 60 बालिकाओं और महिलाओं को स्पोकन इंग्लिश, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और कंप्यूटर शिक्षा का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों को आरएससीआईटी कोर्स भी निःशुल्क कराया जा रहा है। यह कोर्स आरकेसीएल से मान्यता प्राप्त है और कई सरकारी सेवाओं में आवश्यक प्रमाणपत्र के रूप में मान्य है। इसके अतिरिक्त, कई बालिकाएँ और महिलायें अंग्रेजी भाषा के गहन अध्ययन में भी शामिल हैं, जिनमें उन्हें प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अंग्रेजी बोलना, लिखना और समझना सिखाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में वर्ड्सवर्थ लैब की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संस्थान के सहनिदेशक अभिलाष मोदी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राजस्थान सरकार द्वारा इंग्लिश व कंप्यूटर कोर्स के लिए टील्स एजुकेशन का चयन प्रशिक्षण केंद्र के रूप में किया गया है, ताकि बालिकाओं और महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। संस्था के निदेशक अभिषेक कांकरिया ने कहा कि कंप्यूटर और इंग्लिश शिक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक आवश्यक कौशल है, जिससे प्रतिभागियों को भविष्य में रोजगार और शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

नवसृजित राजस्व गांव बन्नावास का हवन व पक्षी महल का उदघाटन

रावतसर @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत मगने की ढाणी के नवसृजित राजस्व गांव बन्नावास का हवन व कबूतरों का चबूतरा व पक्षी महल का उदघाटन बीते दिनों हुआ। बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी ने कहा कि पक्षी महल बनाने का कार्य पुण्य का कार्य है। और पक्षियों की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का धर्म है। इस अवसर पर बनावास राजस्व गांव में एक हाल बनाने की घोषणा की। आयोजन सचिव समाजसेवी मगाराम जाखड़ ने बताया कि कार्यक्रम में महंत जगरामपुरी महाराज, पनोणियो का तला, महंत सहजपुरी महाराज, महंत जसवंतभारती महाराज आश्रम खारुडी का सानिध्य रहा। इस अवसर पर बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी, बाड़मेर ग्रामीण प्रधान जेठी देवी, भामाशाह एवं समाजसेवी लालचंद पाबड़ा, युवा उद्यमी राजेन्द्र सिंह चौहान, स्थानीय सरपंच रामू देवी ईशराम,चवा भाजपा मंडल अध्यक्ष नरपतसिंह पोटलिया,बेरीवाला तला सरपच खरथाराम चौधरी, रामसर कुआं सरपंच विशनाराम कड़वासरा, रावतसर सरपंच टीकूराम गोदारा, छीतर का पार सरपंच बांकाराम धतरवाल, भुरटिया सरपंच उत्तमचंद खोथ, गालाबेरी सरपंच अचलाराम सियोल, रेखाराम सियोल,विजाराम पुनिया, युवा नेता जीयाराम ईशराम सहित आसपास के दर्जनों गांवों के सरपंचगण मौजूद रहें।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

डिसरप्टर कस्टमर एक्सपीरियंस मैनेजमेंट श्रेणी में मिला सम्मान

न्युवोको ने ग्राहक अनुभव प्रबंधन में जीता प्रतिष्ठित सैप एसीई अवॉर्ड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड भारत की विश्वसनीय निर्माण सामग्री कंपनी को डिसरप्टर कस्टमर एक्सपीरियंस मैनेजमेंट श्रेणी में सैप एसीई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड डिजिटल इनोवेशन और बदलाव में इसकी बेहतरीन उपलब्धियों के लिए दिया गया है।

यह अवॉर्ड उन संगठनों को सम्मानित करता है जो कमर्शियल एक्सीलेंस को प्रोत्साहित करने के लिए सैप तकनीकों का बेहतरीन उपयोग प्रदर्शित करते हैं। न्युवोको को यह प्रतिष्ठित सम्मान अपने न्युवोको कस्टमर पोर्टल - न्युवोसेतु के लिए मिला है, जो एक इंटीग्रेटेड डिजिटल बी2बी प्लेटफॉर्म है, जिसके सीमेंट, रेडी-मिक्स कंक्रीट और मॉडर्न कंस्ट्रक्शन सामग्री व्यवसायों में ऑर्डर मैनेजमेंट, कोट्स, भुगतान, खाता डिटेल और लॉयल्टी प्रोग्राम्स सहित महत्वपूर्ण ग्राहक कार्यों को आसानी से इंटीग्रेट करता है। एक सिंगल डिजिटल इकोसिस्टम के रूप में, यह प्लेटफॉर्म ऑपरेशनल कार्यकुशलता और पारदर्शिता को बढ़ाता है, जो ग्राहक-केंद्रित कल्चर को दर्शाता है जिसका उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि को अधिकतम करना है। नवीन सिंघानिया, हेड, इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, ने कहा कि न्युवोको कस्टमर पोर्टल ने हमारे ग्राहकों के बिजनेस के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है, यह रियल-टाइम विजिबिल्टी, आसान प्रोसीजर्स और एक बेहतर डिजिटल-फर्स्ट अनुभव प्रदान करता है। हमें भवन निर्माण सामग्री इंडस्ट्री में सबसे व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम प्रणालियों में से एक के निर्माण के लिए सैप द्वारा मान्यता प्राप्त होने पर गर्व है।

यह अवॉर्ड ग्राहक अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करने, हमारे हितधारकों के लिए वैल्यू क्रिएट करने और इंडस्ट्री-प्रमुख डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को आगे बढ़ाने के लिए न्युवोको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

talent sprint
Part of Accenture

15 Years of Excellence

Upskill today for the
"Age of Intelligence"

TalentSprint, Part of Accenture presents

AI APPLICATIONS
GENERATIVE AI
RESPONSIBLE AI
AGENTIC AI

AI INFINITY™

Learning Never Stops

40 Hours Live Online Sessions
20+ AI Tools Covered
12 Unique Hands-on Projects
20 Skill-based Challenges
Add-on Self-paced Content
1 Year Unlimited Access

Experience Artificial Intelligence in Action

ChatGPT | Gemini | Claude | Copilot | Cursor | Zapier | PartyRock | LangChain | FireFly | Docker | Gradio
Perplexity | n8n | Flowise | Vector DB | Pandas | Pinecone | Hugging Face | Sora | Python | Dall-E | Veo
and more ....

Track 1
FUNCTIONAL
(ideal for non-tech background)

AI Upskilling for Everyone, Step into the Age of Intelligence Now

Launch Price
₹7,200/year
(Program Value: ₹21,600)

talentsprint.com/ai-infinity
ai-infinity@talentsprint.com
1800 108 3535

Track 2
TECHNICAL
(ideal for tech background)

Centres of Excellence to Create Job-ready Talent

Centre for Artificial Intelligence
"AI talent demand in India will reach 12.5 Lakhs by 2027"
-NASSCOM

Cloud Academy
"131,700 full-time AWS jobs annually by 2030"
-Economic Times

Full Stack Academy
"Demand for Full Stack developers soaring at 30% year-on-year"
-Naukri

Finishing School (CRT)
"India skill report: Only 54.8% graduates are employable"
-Wheebox, AICTE, CII, AIU

Get TalentSprint Advantage

15+ Years of Excellence | Most Trusted EdTech Brand* (*Mouthshut.com 2024-25) | 700+ Recruitment Partners | 30,000+ Students Already Placed | Top Salary: 23 Lakhs Avg. Salary: 4.3 Lakhs

Let's Build the Future, Together!
For more details, visit
talentsprint.com/college-solutions
Scan QR
For college partnerships
83411 55642 solutions@talentsprint.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा